സ്റ്റാൻഡേർഡ് – X

ഹിന്ദി

ആമുഖം

കൊല്ലം ജില്ലാ പഞ്ചായത്തും വിദ്യാഭ്യാസ വകുപ്പും ചേർന്ന് തയ്യാറാക്കിയിട്ടുള്ള പഠന സാമഗ്രിയാണ് **'ഉജ്ജ്വലം'**. എസ്.എസ്.എൽ.സി. റിസൾട്ട് മെച്ചപ്പെടുത്തുക എന്നതാണ് ഇതിന്റെ പ്രാഥമികമായ ഉദ്ദേശ്യം. അധ്യാപകരിലൂടെ വിദ്യാർത്ഥികളിലേയ്ക്ക് പഠനപ്രവർത്തനങ്ങൾ എത്തിക്കുക എന്നതാണ് ഈ പഠനസാമഗ്രി ലക്ഷ്യമിടുന്നത്. സാധാരണഗതിയിൽ നടക്കേണ്ട സ്കൂൾ പ്രവർത്തനങ്ങൾ കോവിഡ് കാലഘട്ടത്തിൽ മുടങ്ങിയിട്ടുണ്ട്. നവമാധ്യമ കൂട്ടായ്മകളിലൂടെയും ഭാഗികമായ അധ്യയനദിനങ്ങളിലൂടെയും അധ്യാപകർക്ക് ഇതിലെ ആശയങ്ങൾ പകർന്നുനൽകാൻ കഴിയും. കൂടുതൽ A+, കൂടുതൽ വിജയികൾ എന്നതാണ് **'ഉജ്ജ്വല'**ത്തിന്റെ പ്രധാനലക്ഷ്യം. ഈ വർഷം നിങ്ങളുടെ മുന്നിലെത്തുന്നത് **'ഉജ്ജ്വല'**ത്തിന്റെ പരിഷ്കരിച്ച പതിപ്പാണ്. എല്ലാ വിഭാഗത്തിലുമുള്ള കുട്ടികളെ പരിഗണിച്ചുകൊണ്ട് തയ്യാറാക്കിയ ഈ പതിപ്പിൽ അധ്യാപകരുടെ സ്വതന്ത്രമായ ഇടപെടലും കൂട്ടിച്ചേർക്കലുകളും ഉൾപ്പെടുത്താവുന്നതാണ്. കുട്ടികൾക്ക് മാനസിക സമ്മർദ്ദം ഉണ്ടാകാത്ത വിധത്തിൽ മറ്റ് അധ്യാപകരോടും (SRG) കൂടി ആലോചിച്ചുമാത്രമേ പഠനപ്രവർത്തനങ്ങൾ നൽകാവൂ. പഠനപ്രവർത്തനങ്ങൾ കൃത്യമായി വിലയിരുത്തുകയും ഫീഡ്ബാക്ക് നൽകുകയും ചെയ്യുമല്ലോ. പ്രതീക്ഷിത അക്കാദമിക ദിനങ്ങളിൽ ഇതു പ്രയോജനപ്പെടുത്തിയുള്ള യൂണിറ്റ് ടെസ്റ്റ് സാധ്യതകളും പരിഗണിക്കാവുന്നതാണ്. പരിമിതികൾക്കിടയിലും ആർജവത്തോടെ അക്കാദമിക പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ ഏർപ്പെടാനുള്ള ആശംസകൾ നേർന്നുകൊണ്ട്.

വിജയാശംസകളോടെ,

സി. രാധാമണി
പ്രസിഡന്റ്, കൊല്ലം ജില്ലാ പഞ്ചായത്ത്

ശ്രീലേഖ വേണുഗോപാൽ
ചെയർപേഴ്സൺ, ആരോഗ്യ വിദ്യാഭ്യാസ സ്റ്റാന്റിംഗ് കമ്മിറ്റി, ജില്ലാ പഞ്ചായത്ത്, കൊല്ലം

സുബിൻ പോൾ
വിദ്യാഭ്യാസ ഉപഡയറക്ടർ, കൊല്ലം

ഡോ. എസ്. ഷീജ
പ്രിൻസിപ്പാൾ-ഇൻ-ചാർജ്, ഡയറ്റ് കൊല്ലം.

തയ്യാറാക്കിയവർ

1. **ശ്രീ. ബോബൻ ജെ.**
   എച്ച്.എസ്.റ്റി. ഹിന്ദി, ജി.എച്ച്.എസ്.എസ്., അഞ്ചാലുംമൂട്

2. **ഡോ. സ്മിത എസ്. നായർ**
   എച്ച്.എസ്.റ്റി. ഹിന്ദി, ഗവ: എച്ച്.എസ്.എസ്., അയ്യൻകോയിക്കൽ

3. **ശ്രീ. പ്രകാശ് കെ.**
   എച്ച്.എസ്.റ്റി. ഹിന്ദി, എസ്.എൻ.ജി.എസ്.എച്ച്.എസ്., കടയ്ക്കോട്

4. **ശ്രീ. ദീപു ജി.**
   എച്ച്.എസ്.റ്റി. ഹിന്ദി, ഗവ: എച്ച്.എസ്.എസ്., ചാത്തന്നൂർ

5. **ശ്രീ. മിൻസി കെ.കെ.**
   എച്ച്.എസ്.റ്റി. ഹിന്ദി, ജി.എച്ച്.എസ്., ഉളിയനാട്

അക്കാദമിക മേൽനോട്ടം:

ഡോ. കെ. സന്തോഷ് കുമാർ
സീനിയർ ലക്ചറർ, (ഡി.ആർ.യു.) ഡയറ്റ്, കൊല്ലം

इकाई -1

पाठ-1

बीरबहूटी

-प्रभात-

इकाई	पाठ का नाम	रचनाकार	प्रोक्ति	मुख्य पात्र	मुख्य घटनाएँ
1	बीरबहूटी	प्रभात	कहानी	बेला और साहिल	खेतों में बीरबहूटियों को खोजना।
				बेला, साहिल और दुकानदार	पैन में स्याही भरवाने दुकान पहुँचना।
				बेला, साहिल और सुरेंदर मास्टर साहब	बेला को गणित कक्षा में हुआ अपमान
				बेला, साहिल और बच्चे	बेला को सुल्ताना ड़ाकू कहकर चिढ़ाना।
				बेला, साहिल और बच्चे	गाँधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलने जाना।
				साहिल	साहिल की पिंड़ली में कील लग जाना।
				बेला और साहिल	पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आना।

प्रश्न (Questions)

I सूचना: 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "बेटा स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है। अब तो कल ही मिल पाएगी।"
> "लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया।" बेला बोली।
> "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।" दुकानवाले भैया ने कहा और पूछा
> "कौन-सी में पढ़ते हो ?"

1. बेला और साहिल दुकान क्यों पहुँचे? (1)

   (क) कलम खरीदने। (ख) लगंड़ी टाँग खेलने।

   (ग) बीरबहूटियों को खोजने। (घ) पैन में स्याही भरवाने।

   उत्तर : (घ) पैन में स्याही भरवाने।

2. बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए - दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा? (2)

   उत्तर : "बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना" -यह एक प्रयोग है। मतलब है कि बरसात की संभावना देखकर पानी भरे घड़े को मत ढुलाना। यहाँ साहिल ने दुकान से स्याही भरवाने के विश्वास में पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिड़क दी और बाद में भरवा भी न सका। मतलब है कि आनेवाली भलाई देखकर अपने पास बची हुई किसी को तच्छ समझकर छोड़ देना उचित नहीं होगा।

3. पैन में स्याही भरने के संबंध में बेला साहिल और दुकानदार के बीच बातचीत हुई। यह बातचीत कल्पना करके लिखें। (बातचीत में कम से कम छह विनिमय हो) (4)

अथवा

मान लें 14 सितंबर को आपके स्कूल में हिंन्दी मंच के तत्वावधान में साहित्यकार प्रभात की बीरबहूटी कहानी का मंचीकरण होनेवाला है। इसकी सूचना देनेवाला एक पोस्टर तैयार करें।

उत्तर:

बेला	:	भैया, एक पैन स्याही भर दें।
दुकानदार	:	अरे, स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है।
साहिल	:	खाली हो गई ? बापरे.....!
दुकानदार	:	अब तो कल ही मिल पाएगी।
बेला	:	इसने तो पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिड़क दि।

साहिल : यहाँ से भरवाने को सोचा।
दुकानदार : अरे बच्चो, बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।
साहिल : हाँ गलती हुई। अब कैसे लिखूँ ?
दुकानदार : कौन-सी में पढते हो?
साहिल : पाँचवीं में।
दुकानदार : दोनों?
बेला : हाँ, एक ही सैक्शन में।
दुकानदार : अच्छा।

उत्तर:

प्यार रिश्तों की कड़ी है।

बीरबहूटी

कहानी का मंचीकरण

(दो स्कूली बच्चों की दोस्ती, मिलन और जुदाई की कहानी)

मूल कथा : प्रभात

अवतरण : स्कूल हिन्दी मंच

सरकारी हाईस्कूल कोल्लम

14 सितंबर 2020 सबेरे 10 बजे
सबका स्वागत

II. सूचना: बीरबहूटी कहानी का यह खंड़ पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

एक दिन सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया। पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकड़कर फेंकनेवाले थे, वह गलती थी ही नहीं। (1)

1. सही विकल्प चुनकर लिखें।

(क) यह + के = उसके (ख) यह + को = उसके
(ग) वह + को = उसके (घ) वह + के = उसके

उत्तर:

(घ) वह + के = उसके

2. कहानी के आधार पर सही मिलान करें। (2)

बच्चे सुरेंदर मास्टर साहब से डरते थे	साहिल बूरी तरह डर गया।
एक दिन सुरेंदर मास्टर साहब ने	क्योंकि साहिल के सामने उसे पीट मिला।
बेला का भयभीत चेहरा देखकर	क्योंकि वे ज़रा सी गलती पर बच्चों को फेंक देते और मारने लगते।
बेला का मन बहुत खराब हो गया	बेला के बालों में पंज़ा फँसाया।

उत्तर:

बच्चे सुरेंदर मास्टर साहब से डरते थे	क्योंकि वे ज़रा सी गलती पर बच्चों को फेंक देते और मारने लगते।
एक दिन सुरेंदर मास्टर साहब ने	बेला के बालों में पंज़ा फँसाया।
बेला का भयभीत चेहरा देखकर	साहिल बुरी तरह ड़र गया।
बेला का मन बहुत खराब हो गया	क्योंकि साहिल के सामने उसे पीट मिला।

3. बेला का मन बहुत खराब हो गया। सच में उसने कोई गलती नहीं की थी घर जाकर वह अपना अनुभव ड़ायरी में लिखती है। बेला की संभावित डायरी लिखें। (4)

अथवा

घर जाकर बेला अपनी माँ से इस घटना के संबंध में सब कुछ बताती है। माँ और बेला की बातचीत तैयार करें।

उत्तर:

20 मार्च 1980 बुधवार

आज शायद मेरे लिए अच्छा दिन नहीं। ऐसा एक दिन ज़िन्दगी में कभी नहीं हुआ। साहिल के सामने यह अपमान! सोच भी नहीं सकती। स्कूल में गणित का पीरियड था। क्लास में आते ही माटसाब कॉपी जाँचने लगे। कॉपी जाँचते वक्त मास्टरजी की नज़र मुझपर पडी। मैं ने तो कॉपी लिखी थी। फिर भी....। बिना कुछ कहे मास्टर जी ने मेरा बाल पकडकर फेंका। सब बच्चों की नज़र मुझपर पडी। मेरे भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था। मैं ने उसकी ओर देखा ही नहीं। कुछ समय के बाद मास्टर जी ने कॉपी मेरे बैठने की जगह पर फेंकी और मुझसे बैठने को कहा। मुझे अब भी पता नहीं कि मेरी गलती क्या थी? ऐसा अनुभव जीवन में कभी नहीं हुआ है। यादें मन से दूर होती ही नहीं। एक दुर्दिन की समाप्ति।

उत्तर:

माँ : अरी बेला, चुप क्यों हो?
बेला : कुछ नहीं माँ।
माँ : बताओ न क्या हुआ?
बेला : कक्षा में मुझे पीटा।
माँ : क्यों? किसने पीटा?
बेला : गणित के अध्यापक सुरेंदर माटसाब ने। कोई गलती ही नहीं थी।
माँ : फिर क्यों?
बेला : पता नहीं माँ। उन्होंने काँपी को मेरे बैठने की जगह पर फेंका।
माँ : अरी बेटी, रो मत।
बेला : मुझे अब भी पता नहीं कि मेरी गलती क्या थी? सब साहिल के सामने।
माँ : फिक्र मत कर बेटी, मैं उनसे बात करूँ।

III. सूचना: बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था।
"साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?" बेला ने पुछा।
"ओर तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?" साहिल ने पूछा।
"मेरे पापा कह रहे थे कि मुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?"
"मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।"

1. **साहिल** के स्थान पर **बेला** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

साहिल अब तुम कहाँ पढोगे?
(क) बेला .....।

उत्तर :

बेला तुम कहाँ पढोगी?

2. कोष्ठक के शब्दों से पिरामिड़ की पूर्ति करें।
(बीरबहूटियों के रंग के, लाल)

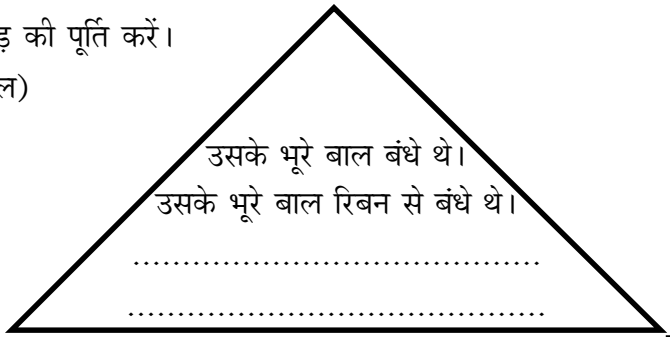

उत्तर :

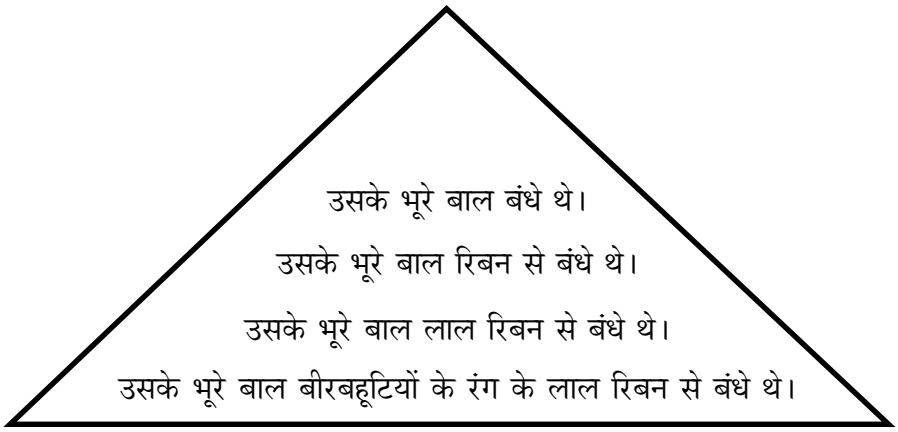

3. कहानी के इस प्रसंग के अनुसार पटकथा का एक दृश्य लिखें।

अथवा

स्कूल में बेला और साहिल का अंतिम दिन था। रिपोर्ट कार्ड़ लेकर दोनों अपने अपने घर चले उस दिन साहिल को नींद न आयी। साहिल की उस दिन की डायरी तैयार करें।

उत्तर:

(सुबह ग्यारह बजे, फुलेरा कस्बे की एक गली, वर्दीधारी बेला और साहिल गली की सड़क के किनारे खड़े हैं। दोनों के हाथों में रिपोर्ट कार्ड। बारिश का मौसम।)

बेला : अरे साहिल, अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?

साहिल : अजमेर में, और तुम ?

बेला : राजकीय कन्या पाठशाला में।

साहिल : अरे बेला ज़रा तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड़ दिखाना।

(दोनों रिपोर्ट कार्ड़ एक दूसरे को दिखाते हैं)

बेला : अरे तुम्हें अजमेर क्यों भेजते?

साहिल : पता नहीं। वहाँ एक हॉस्टल है।

(बेला की आंखों से आँसु आती है)

बेला : तो आगे तुम फुलेरा में नहीं रहोगे न?

साहिल : अरे तू रोती क्यों?

(साहिल की आँखें लाल हो जाती है)

बेला : कुछ नहीं। साहिल, अरे तू भी रोता है न?

साहिल : नहीं तो?

(बेला साहिल को चिढ़ाती है।)

बेला : रोनी सूरत साहिल, रोनी सूरत साहिल।

साहिल : अरे, अपना ख्याल रखना। वर्षा की संभावना है।

बेला : हाँ, तो घर चलें।

साहिल : हाँ-हाँ।

(दोनों एक दूसरी दिशा में चले जाते हैं)

उत्तर :

डायरी
10 बुधवार 1980
आज नींद नहीं आ रही है।
पता नहीं एक जैसा अकेलापन। बाहर बरसात हो रही है।
आज हमारी रिसल्ट आ गया। मैं और बेला छठी में आ गए।
मगर हमारा स्कूल पाँचवीं तक ही है। आगे मैं अजमेर जाऊँगा।
बेला राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ेगी।
इतने साल तक हम दोनों एक साथ थे।
एक साथ स्कूल जाना, पढ़ना, खेलना सब एक साथ थे।
अब हम अलग होने जा रहे हैं।
जहाँ भी हो बेला खुशी से रहे।

कक्षा में ये भी चर्च करें।

I. सूचना: बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

उन्हें बीरबहूटियों से मिलने होता था। सो वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। कस्बे से सटे इन खोतों में बीरबहूटियाँ खोज करते थे। सूर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ। धरती पर चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें। उनके बस्ते पीठ पर लदे होते थे, कंधों पर टंगे होते थे। वे एक-दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे। उन्हें देखने केलिए वे बारिश की गंध भरी भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे।

1. बीरबहूटियाँ कहाँ पाये जाते थे? (1)
2. बेला और साहिल स्कूल के लिए कुछ समय पहले निकल आते थे क्यों? (1)
3. कहानी के इस प्रसंग के अनुसार पटकथा का एक दृश्य लिखें । (4)

II. सूचना: बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो....?
नहीं लगेगी बेला ने ज़िद की। और वे हमेशा की तरह सारे बच्चों के साथ गांधी चौक की बालू में पूरी खेल घंटी लंगड़ी टाँग खेले। इन बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुस्करा रही हो।

1. बेला कहाँ जाने के लिए ज़िद की? क्यों? (1)
2. इन बच्चों के अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक

मुस्करा रही हो। इसका मतलब क्या है? (2)

3. खेल घंड़ी के समय गाँधी चौक में वे लंगड़ी टाँग खेले। उस दिन की बेला की ड़ायरी तैयार करें। (4)

III. सूचना: बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने के लिए ले जाया गया। उसने देखा कि दो लोगों को छोड़कर आगे बेला खड़ी है। सिर में पट्टी बंधवाने आई है।

1. साहिल को चोट कैसे लग गई? (1)
2. बेला को चोट कैसे लग गई? (1)
3. साहिल और बेला सरकारी अस्पताल में क्यों आये? (1)
4. साहिल और बेला सरकारी अस्पताल में मिले। दोनों के बीच की बातचीत तैयार करें। (4)

IV. सही मिलान करें। (4)

साहिल की आँखें	चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें
चलती बीरबहूटियाँ	बीरबहूटी की तरह लाल
साहिल की आँसू	बीरबहूटी का रंग
साहिल को चोट	बारिश की बूँदें

V. कहानी की घटनाओं को सूचीबद्ध करें।

- गीली ज़मीन पर बेला और साहिल का बीरबहूटियों को खोजना।
- पैन में स्याही भरना।
-
-
-
-

पाठ-2

हताश से एक व्यक्ति बैठ गया था

(विनोद कुमार शुक्ल की कविता पर नरेश सक्सेना की टिप्पणी)

प्रश्न (Questions)

I सूचना: हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, विश्लेषणात्मक टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> व्यक्ति को मैं नही जानता था। हताशा को जानता था कहते ही वे 'जानने' की हमारी उस जानी-पहचानी रूढ़ि को तोड़ देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोड़ती है। यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते।

1. हताश व्यक्ति को देखकर कवि ने क्या किया? (1)
   - (क) कवि ने हताश व्यक्ति को पैसा दिया।
   - (ख) कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की।
   - (ग) कवि ने हताश व्यक्ति का नाम पूछा।
   - (घ) कवि ने हताश व्यक्ति को वहाँ छोड़कर चला गया।

उत्तर :

(ख) कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की।

2. **'उसकी'**- इस शब्द में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (1)

(यह, वह, ये, वे)

उत्तर : वह

3. **'जानना'** शब्द के लेखक की व्याख्या से आप कहाँ तक सहमत है? (2)

उत्तर : जानना शब्द के लेखक की व्याख्या बिलकुल सही है। सच में एक व्यक्ति को जानने का मतलब उसकी भौतिक जानकारी को जानना नहीं, बाल्कि उसकी निराशा, असहायता और उसकी माँग को जानना है। तब तो जानने का अर्थ पूर्ण हो जाएगा।

4. कविता का आशय समझकर कोष्ठक से तालिका की पूर्ति करें। (3)
(जाति से जानना, असाहायता को जानना. ओहदे से जानना, हालत को जानना. रंग से जानना, निराशा को जानना)

जानने के रूढ़िग्रस्त आधार	जानने के असली आधार
.....	.....
.....	.....
.....	.....

उत्तर :

जानने के रूढ़िग्रस्त आधार	**जानने के असली आधार**
जाति से जानना	असाहायता को जानना
ओहदे से जानना	हालत को जानना
रंग से जानना	निराशा को जानना

अथवा

'रक्त दान जीवन दान' - इस विषय पर एक पोस्टर तैयार करें।

उत्तर :

हरेक पल कीमती है, चलें रक्त दान करें, एक जान बचाएँ।

स्वेच्छा से करो रक्त दान, जीवन में पाओ महान स्थान।
रक्तदान अपने स्वास्थ्य के लिए खतरनाक नहीं।
रक्तदान एक महायज्ञ है।

पाठ-3
टूटा पहिया

प्रश्न (Questions)

I सूचना: 'टूटा पहिया' कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सोनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

1. इस कविता में चित्रित प्रमुख पौराणिक पात्र कौन है? (1)
   (क) अभिमन्यु (ख) अर्जुन (ग) श्री कृष्ण (घ) टूटा पहिया

उत्तर :
   (क) अभिमन्यु

2. यह कविता कौन-सी पौराणिक कहानी से संबंधित है? (1)
   (क) रामायण (ख) महाभारत (ग) पंचतंत्र (घ) अर्थशास्त्र

उत्तर :
   (ख) महाभारत

3. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। (2)
   मैं रथ का टूटा चक्र हूँ, पर मुझे तुच्छ समझकर मत छोड़ना।

उत्तर :
   मैं
   रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
   लेकिन मुझे फेंको मत!

II. सूचना : टूटा पहिया कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बड़े-बड़े महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

1. अपने पक्ष को असत्य जानने हुए भी - यह किसके बारे में कहा गया है? (1)
   (क) कौरव पक्ष के महारथियों के बारे में।
   (ख) पांड़व पक्ष के महारथियों के बारे में।
   (ग) श्री कृष्ण के बारे में।
   (घ) अभिमन्यु के बारे में।

उत्तर :
   (क) कौरव पक्ष के महारथियों के बारे में।

2. युद्ध में निरायुध अभिमन्यु को अचानक किसकी सहायता मिली? (1)
   (क) पांड़वों की सहायता।
   (ख) एक टूटे पहिए की सहायता।
   (ग) अर्जुन की सहायता।
   (घ) ब्रह्मास्त्रों की सहायता।

उत्तर :
   (ख) एक टूटे पहिए की सहायता।

3. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें? (4)
   (क) महाभारत युध्द में वीर योद्धा अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी अधर्म के पक्ष में लड़ने के लिए बाध्य हो गए।
   (ख) बालक अभिमन्यु को महारथियों की मुकाबला करने के लिए टूटे पहिए का सहारा मिला।

उत्तर :
   (क) अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
   बड़े-बड़े महारथी
   अकेली निहत्थी आवाज़ को
   अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
   (ख) तब मैं
   रथ का टूटा हुआ पहिया
   उसके हाथों में
   ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

III.सूचना : टूटा पहिया कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

1. टूटा पहिया - इस शब्द में टूटा शब्द.....है? (1)
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम (ग) क्रिया (घ) विशेषण

उत्तर :

(घ) विशेषण

2. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। (2)
बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है।
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

3. कवि और कविता का परिचय करते हुए 'टूटा पहिया' कविता का आशय लिखें। (4)

उत्तर :

मुझे फेंको मत

आधुनिक हिंदी साहित्य के एक प्रमुख साहित्यकार हैं धर्मवीर भारती। वे कवि है, नाटककार है और सामाजिक विचारक भी। उनकी एक बहुचर्चित कविता है 'टूटा पहिया'। यह पुराण पर आधारित एक प्रतीकात्मक रचना है।

इस कविता का पात्र अभिमन्यु एक प्रतीक है। अधर्म से लड़नेवाले एक मानव का प्रतीक। अधर्मियों से रचे गए चक्रव्यूह में, अंत में एक रथ का टूटा हुआ पहिया निरायुध अभिमन्यु का सहारा बनता है। कवि कहना चाहते हैं कि किसी को तुच्छ समझकर मत छोड़ना। किसी न किसी रूप में तुच्छ चीज़ें भी हमारी समस्याओं में काम आएगी। यहाँ चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीक है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है।

कवि कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय अधर्मियों का नहीं धर्मियों का है। अधर्म के विरुद्ध लड़नेवालों को कहीं से सहारा मिल ही जाएगा। कविता का संदेश यही है।

अभ्यास के लिए

I सूचना: 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "ये क्या हो गया बेला" साहिल ने परेशान होते हुए पुछा।
> "छत से गिर गई" बेला ने हँसते हुए कहा और कहा, बहुत दिन हो गए, आज खेल घंटी में गांधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलेंगे।
> "नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो....?"

1. बेला के सिर पर चोट कैसी लगी? (1)
   (क) लंगड़ी टाँग खेलने पर।
   (ख) छत से गिरने पर।
   (ग) स्टूल की कील लगने पर।
   (घ) माटसाब के पीट मिलने पर।

2. सही विकल्प चुनकर लिखें। (1)
   (क) तुम + के = तेरे (ख) तू + को = तेरे
   (ग) तू + के = तेरे (घ) तुम + को = तेरे

3. 'नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो....?' साहिल बेला को लगंड़ी टाँग खेलने से मना करता है। इससे साहिल का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है। (2)

4. अपनी किसी **दोस्ती** की याद पर टिप्पणी लिखें। (4)

   अथवा

   कहानी के इस प्रसंग के अनुसार **पटकथा** का एक दृश्य लिखें।

II. सूचना: हताश से एक व्यक्ति बैठ गया था टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है। यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह **'जानने'** की याद दिलाती है।

2. इनमें से कौन-सा प्रस्ताव गलत है? (1)
   - लेखक ने सड़क पर एक घायल पड़े व्यक्ति को देखा।
   - लेखक अपरिचित व्यक्ति को पहले जानता था।
   - अपरिचित व्यक्ति लेखक को पहले नहीं जानता था।
   - लेखक ने अपरिचित व्यक्ति की सहायता की।

3. 'सक्तदान जीवन दान' इस विषय पर एक **पोस्टर** तैयार करें। (4)

अथवा

यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की याद दिलाती है। मनुष्यता- विषय पर एक टिप्पणी तैयार करें।

III.सूचना: टूटा पहिया कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
> बड़े-बड़े महारथी
> अकेली निहत्थी आवाज़ को
> अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
> तब मैं
> रथ का टूटा हुआ पहिया
> उसके हाथों में
> ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

1. 'अकेली निहत्थी आवाज़' - यह किसके बारे में कहा गया है? (1)
   (क) अभिमन्यु के बारे में (ख) अर्जुन के बारे में
   (ग) महारथियों के बारे में (घ) टूटे पहिए के बारे में

2. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। (2)
   (क) बालक अभिमन्यु को महारथियों की मुकाबला करने के लिए टूटे पहिए का सहारा मिला।

3. कवि और कविता का परिचय देते हुए प्रस्तुत पंक्तियों का आशय लिखें। (4)

इकाई -2

पाठ-1

आई एम कलाम के बहाने

प्रश्न (Questions)

I सूचना: 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मोरपाल ने मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को खाने से पहले कभी राजमा देखा भी नहीं था। वह हमारे स्कूल से पन्द्रह किलोमीटर दूर के किसी गाँव से साईकिल चलाता रोज़ आता था। मैं आज तक जान नहीं पाया कि कैसे वह उस छाछ के डिब्बे को रोज़ पन्द्रह किलोमीटर बिना ज़रा भी छलकाए लिए आता था।

1. मोरपाल ने पहले कभी राजमा देखा नहीं था। कारण क्या होगा? (1)
   (क) मोरपाल की अरुचि (ख) मोरपाल की गरीबी
   (ग) मोरपाल की संपन्नता (घ) खेती का अभाव

उत्तर :

(ख) मोरपाल की गरीबी

2. सही वाक्य पहचानकर लिखें। (1)
   (क) मोरपाल रोज़ आए करता था।
   (ख) मोरपाल रोज़ आया करता था।
   (ग) मोरपाल रोज़ आई करता था।
   (घ) मोरपाल रोज़ आई करती थी।

उत्तर :

(ख) मोरपाल रोज़ आया करता था।

3. संबन्ध पहचानें और लिखें ? (2)
   (मोरपाल, मिहिर, कला)

.....	पन्द्रह किलोमीटर सईकिल चलाकर रोज़ स्कूल आता था।
.....	टिफिन बॉक्स में राजमा ले आता था।

उत्तर :

मोरपाल	पन्द्रह किलोमीटर सईकिल चलाकर रोज़ स्कूल आता था।
मिहिर	टिफिन बॉक्स में राजमा ले आता था।

4. मोरपाल ने मेरे टिफिन बॉकस में रखें राजमा को खाने से पहने कभी राजमा देखा भी नहीं था। इस अनुभव के आधार पर मोरपाल की **डायरी** तैयार करें। (4)

उत्तर :

20 मार्च 2002
आज मैं ने एक विशेष चीज़ खायी।
मेरा दोस्त मिहिर लाया था।
मैं ने इसे पहले कभी नहीं देखा था।
मिहिर ने इसका नाम राजमा बताया।
मेरे घर में आज तक राजमा नहीं बनाया था।
राजमा बहुत स्वादिष्ठ थी।
शायद कल भी वह राजमा ले आये।

अथवा

मोरपाल के अनुभवों का जिक्र करते हुए गरीब बच्चों की हालत विषय पर **लघु लेख** लिखें।

उत्तर:

गरीब बच्चों की हालत

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। संविधान में सबके समान अधिकार होते हैं। लेकिन हमारे देश में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो स्कूल नहीं जा सकते। कुछ छात्र ऐसे भी हैं, जो पढाई बीच में छोडकर जाते।

गाँव के गरीब माँ बाप बच्चों को स्कूल भेजने के बदले काम पर ले जाते है। छोटे बच्चे खेती में माँ बाप की मदद करते है। इन बच्चों को खेत में कमरतोड मेहनत करना पडता है। गाँव के बच्चों को स्कूल के प्रति विशेष प्यार रहता है।

आजकल गरीब बच्चों को स्कूल पहुँचाने के लिए सरकार की अनेक योजनाएँ हैं।

II सूचना: 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म से हमेशा चिढा करता और उसे पहनना हमेशा टाला करता वही मोरपाल मुझे जब भी दिखा हमेशा वही स्कूल की यूनीफॉर्म पहने ही दिखा।

1. मोरपाल को हमेशा स्कूली यूनीफॉर्म पहनते देखा। क्या कारण होगा? (1)

(क) उसके पास अनेक नीली खाकी यूनीफॉर्म था
(ख) शादी में जाने के लिए तैयार होकर आते थे।
(ग) एकमात्र कमीज़ पैंट का जोडा वह नीली-खाकी नया स्कूल यूनिफार्म थी।
(घ) स्कूल यूनीफॉर्म की नीली-खाकी रंग उसे पसंद था।

उत्तर :

(ग) एकमात्र कमीज़ पैंट का जोडा वह नीली-खाकी नया स्कूल यूनीफॉर्म थी।

2. मिहिर नीली-खाकी यूनीफॉर्म से हमेशा चिढ़ा करता था क्यों? (2)

मिहिर के पास स्कूल यूनिफार्म से बढकर अनेक अच्छे कपडे हैं। जिन्हें वह अपनी पसंद के अनुसार बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदता। इसलिए मिहिर के लिए स्कूल यूनीफॉर्म एक बोझ थी।

3. सही विकल्प चुनकर लिखें। (1)

(क) मैं + का = मुझे (ख) मैं + की = मुझे

(ग) मैं + को = मुझे (घ) मैं + के = मुझे

उत्तर: (ग) मैं + को = मुझे

4. आपके स्कूल में 'आई एम कलाम के बहाने' नामक फिल्म का प्रदर्शन होनेवाला है। फिल्म प्रदर्शन के लिए **पोस्टर** तैयार करें। (3)

III. सूचना: 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

यह मुझे बहुत बाद में समझ आया कि जिस स्कूल में बिताए समय को मैं अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था, शायद वही मोरपाल के लिए उसके जीवन का सबसे अच्छा समय होता था। घर की कमरतोड़ मेहनत और खेत-मज़ूरी से इतर दिन का ऐसा एकमात्र समय जब वह बच्चा बना रह सकता था।

1. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें (1)

(क) स्कूल में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का सबसे अच्छा समय मानता है।

(ख) स्कूल में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का सबसे खराब समय मानता है।

(ग) घर में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का बुरा समय मानता है।

(घ) शहर के बाज़ारों में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का बुरा समय मानता है।

उत्तर :

(ख) स्कूल में बिताए समय को मिहिर अपने जीवन का सबसे खराब समय मानता है।

2. मोरपाल केलिए स्कूल में बिताए समय अपने जीवन का सबसे अच्छा समय था। इससे आप क्या समझा? (2)

घर की कमरतोड मेहनत और खेत मज़ूरी के बाद स्कूल में उसे खुशी मिलता था। स्कूल में वह बच्चा बन सकता था। दोस्तों के साथ पढाई, खेल कूद कर सकता था। इसलिए मोरपाल के लिए स्कूल में बिताए समय अपने जीवन का सबसे अच्छा समय लगता था।

3. 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्म देखने के बाद मिहिर ने मोरपाल के नाम पर एक पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके लिखें। (4)

स्थान
तारीख

प्रिय मोरपाल,

तुम कैसे हो। गाँव में क्या हाल है? खेती कैसी चल रही है?

मैं ने कल आई एम कलाम के बहाने नामक सिनेमा देखा। उसमें दो लडके हैं,

एक 'शहर' का और दूसरा 'गाँव' का। उनको देखकर मुझे अपने बचपन की याद आई, स्कूल में एक साथ बैठना, खाने का अदली बदली करना, और एक साथ खेलना आदि। जब तुम पढाई छोड़कर गया तब मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे तुमसे मिलने की बहुत इच्छा है।

माँ बाप को मेरा नमस्कार। एक दिन मैं आऊँगा, तुमसे मिलूँगा। घर में सबको मेरा प्यार।

आपका मित्र
मिहिर

सेवा में
मोपाल
रामपुर गाँव
कामटी, नागपुर

अभ्यास के लिए...

1. यह भी करें..... (2)

(गाँव से, पन्द्रह किलोमीटर)

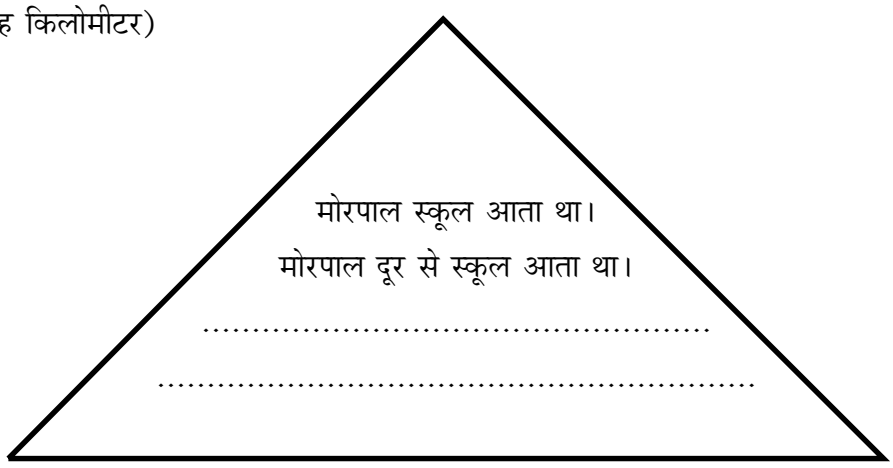

2. सही मिलान करें (2)

मोरपाल	परीक्षा से डरता है।
मिहिर	स्कूल जाना और बेहतर जीवन का सपना देखता है।
रण विजय	स्कूल के प्रति गहरा प्रेम करता है।
कलाम	स्कूल जाने में रोया करता।

III. सूचना: 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

फिल्म में कलाम दिल्ली भी पहुँचता है और उसे अपने पसंद के स्कूल जाने का मौका भी मिलता है। लेकिन मेरे बचपन के समय ऐसा नहीं होता। मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है।

1. मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है। कारण है (1)
   (क) पढाई में रुचि नहीं।
   (ख) गरीबी के कारण
   (ग) स्कूल पन्द्रह किलोमीटर दूर होने के कारण।
   (घ) साईकिल चलाना मुश्किल होने के कारण।
2. वाक्य पिरमिड की पूर्ती करे। (2)
   (कलाम को, अपनी पसंन्द के)

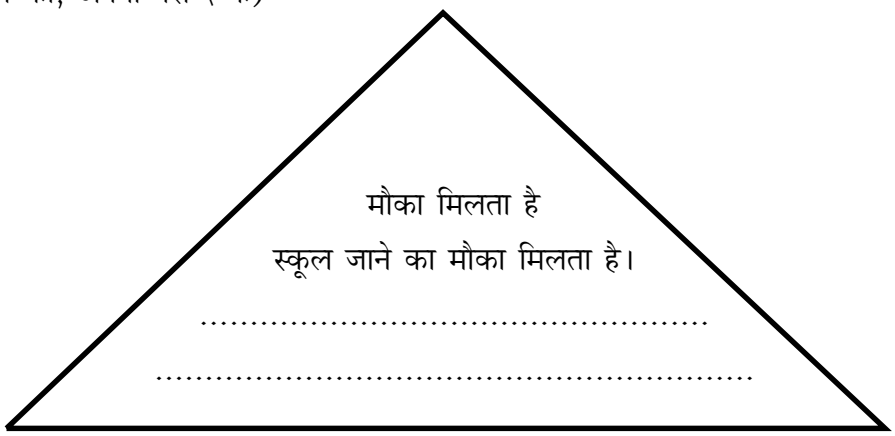

3. राष्ट्रपति कलाम के नाम पर छोटू या कलाम का पत्र कल्पना करके लिखें। (4)

IV. सूचना: आई एम कलाम के बहाने फिल्मी लेख का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता। वह खुद ही अपना नाम कलाम रख लेता है। इस नाम में उसकी आकांक्षाओं का अक्स है। उसके हाथ की बनाई चाय में जादू है। भाटी सा भी उसकी कलाकारी की वाहवाही करते नहीं थकते।

1. छोटू की आकाँक्षाएँ क्या-क्या हैं? (2)

2. 'चाय में जादू है'। इसका मतलब है? (1)
   (क) चाय अच्छी नहीं है। (ख) बढिया चाय है।
   (ग) चाय बनाने के साथ जादू भी करता है। (घ) चाय बनाना नहीं आता है।

3. छोटु की चरित्रगत विशेषताओं पर टिपणी लिखें। (4)
   सहायक बिंदु
   - कलाम जैसे बनने की इच्छा
   - जल्द ही सब कुछ सीख लेता है।
   - कभी भी दोस्ती का प्रण नहीं तोड़ता है।

पाठ-2

सबसे बडा शो मैन

I सूचना: 'सबसे बडा शो मैन' जीवनी का अंश पढें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया। मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद्द करने लगा। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा।

1. मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद्द करने लगा। क्यों? (1)

उत्तर: माँ के दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था।

2. माँ डर गई। डरने का कारण क्या है? (2)

उत्तर: लोग अभद्र शोर कर रहे थे। इस समय मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद्द की। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा।

3. इस घटना के आधार पर माँ अपनी **डायरी** लिख रही है। वह डायरी कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तर:

15 सितंबर 1880
यह दिन ज़िंदगी में नहीं भूलूँ।
गाते-गाते अचानक मेरी आवाज़ फट गई।
मेरे गले से फुसफुसाहट ही बाहर निकली।
लोग अभद्र शोर करने से मैनेजर मुझे अन्दर बुलाया।
चार्ली को मैनेजर मेरे दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा था।
इसलिए उन्होंने चार्ली को स्टेज भेजने के लिए ज़िद्द करने लगा।
लेकिन मेरे बेटे ने कमाल कर दिया।
अन्त में लोगों ने मुझसे हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ की।

II सूचना: 'सबसे बडा शो मैन' जीवनी का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"अंत में जब मैं उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाई। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार।"

1. 'तारीफ करने' का मतलब है। (1)

(क) निंदा करना (ख) हँसी करना

(ग) शोर मचाना (घ) प्रशंसा करना

उत्तर:

(घ) प्रशंसा करना

2. दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाई। इसका क्या कारण है? (2)

पाँच साल का लडका चार्ली ने मशहूर गीत 'जैक जोन्स' गाना गाया। उसने नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल की। चार्ली ने दर्शकों से बातचीत की। ये सब देखकर दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाई।

3. चार्ली की माँ उस दिन का अनुभव अपनी सहेली को पत्र द्वारा बताना चाहती है। सहेली के नाम चार्ली की माँ का पत्र कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तर:

स्थान
तारीख

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो? कई दिनों से चिट्ठी लिखने की फुरसत नहीं मिली। चार्ली के बारे में बहुत कुछ बताने के लिए है। थियेटर में एक बार गाते-गाते मेरी आवाज़ फट गई। मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने के लिए जिद्द करने लगा। मुझे चार्ली को भेजना पडा। उसने जैक जौन्स गाना गाया, नृत्य किया, और अभिनय भी किया। उनकी बातें सुनकर लोग हँसते रहे और तालियाँ बजाई। चार्ली की माँ होने से में गर्व का अनुभव करती हूँ।

वहाँ क्या समाचार है? बच्चों से मेरा प्यार बताना।

तुम्हारी सहेली ।

हस्ताक्षर

सेवा में
नाम
पता

III सूचना: 'सबसे बडा शो-मैन' जीवनी का अंश पढ़ें और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें।

लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर इसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार..... दुनिया के सबसे बडे शो-मैन का यह पहला शो थी। उसने जन्म ले लिया था।

1. कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। कारण क्या है। (1)

(क) आवाज़ की तमाशा के कारण।

(ख) मैनेजर के साथ बहस होने के कारण।

(ग) बेटा चार्ली जनता में गुदगुदी फैलाने के कारण।

(घ) माँ की आखिरी स्टेज होने के कारण।

उत्तर: (ग) बेटा चार्ली जनता में गुदगुदी फैलाने के कारण।

2. चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार.....। क्यों? (2)

माँ का गाना बीच में रुक गया। आवाज़ फट गई। लोग चिल्लाने लगे। माँ को स्टेज से बाहर जाना पडा। उसके पाँच साल का लडका चार्ली स्टेज पर आया।

3. बच्चा मैदान में खेलने लगा। **बच्चा** के स्थान पर **बच्ची** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें?

बच्ची मैदान में..... (1)

उत्तर :खेलने लगी।

4. चार्ली चैप्लिन और माँ के बीच की बातचीत को आगे बढाएँ। (चाक विनिमय) (4)

उत्तर :

माँ : बेटा, आज तूने कमाल कर दिया।
चैप्लिन : लेकिन मैं खुश नहीं हूँ, अम्मा।
माँ : क्यों?
चैप्लिन : आपको स्टेज से हटना पडा था न?
माँ : छोड दो, मैं खुश हूँ मेरा बेटा आज सबसे बडा अभिनेता बन गया।
चैप्लिन : माँ आप मेरे साथ गाना गाएगी?
माँ : ज़रूर बेटा,
चैप्लिन : कब गाएगी?
माँ : मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगी।

अभ्यास के लिए...

1. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)

(हाथ मिलाकर, माँ से)

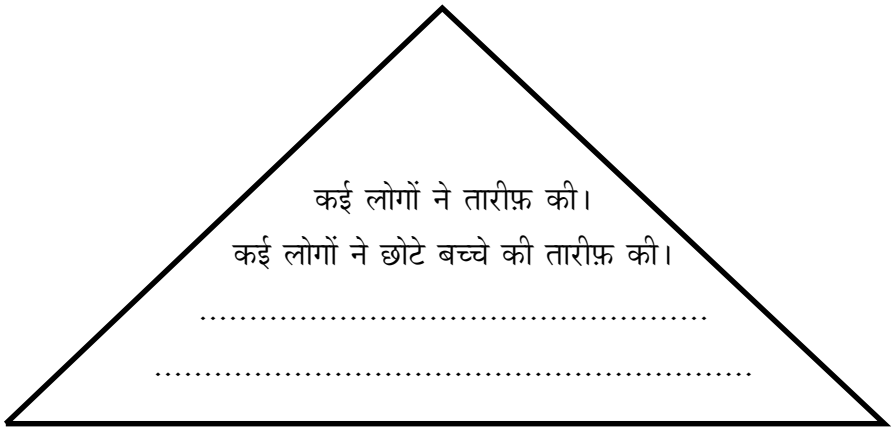

2. संबन्ध पहचानें और जोडें। (4)

चार्ली ने	माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की।
माँ	कुछ दोस्तों के सामने चार्ली को अभिनय करते हुए देखा।
मैनेजर ने	की आवाज़ सुनकर लोग म्याऊँ-म्याऊँ की आवाज़ निकालने लगे।
लोगों ने	जनता में गुदगुदी फैला दी।

II. सूचना: सबसे बडा शो मैन जीवनी का अंश पढ़ें और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार...। दुनिया के सबसे बडे शो मैन का यह पहला शो था।

1. नमूने के अनुसार लिखें?

चार्ली स्टेज पर पहली बार आया
माँ स्टेज पर..... (1)

2. लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। क्यों? (2)

3. दुनिया के सबसे बडे शो-मैन का यह पहला शो था। इसपर एक **रपट** कल्पना करके लिखें (4)

3. सूचना: सबसे बडा शो-मैन जीवनी का अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

चार्ली को वह अक्सर अपने साथ थियेटर ले जाती थी। उस दिन परदे के पीछे खडा वह आवाज़ की तमाशे को देख रहा था। माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया। मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तें के सामने अभिनय करते देखा था और उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद्द करने लगा।

1. सही वाक्य चुनकर लिखें।

(क) चार्ली सोचने लगी। (ख) चार्ली सोचना लगी।

(ग) चार्ली सोचने लगा। (घ) चार्ली सोचनी लगी। (1)

2. चार्ली को स्टेज पर क्यों जाना पडा? (2)

3. मैनेजर और चार्ली की माँ के बीच **वार्तालाप** कल्पना करके लिखें। (4)

इकाई -3

पाठ-1

अकाल और उसके बाद

I सूचनाः अकाल और उसके बाद कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त"

1. अकाल में चूहों की भी हालत कैसी थी? (1)

उत्तरः अकाल में चूहों की हालत बहुत बुरी थी।

2. 'चूल्हे का रोना' और चक्की का उदास होना- कवि ने ऐसा क्यों कहा है? (2)

उत्तरः भीषण अकाल के कारण कई दिनों से घर में दाना नहीं था। इसलिए खाना पकाने के लिए चूल्हा नहीं जलता और दाना पीसने के लिए चक्की का उपयोग भी नहीं करता।

3. कवितांश का आशय लिखें। (4)

अथवा

कवि ने अकाल का चित्रण किस प्रकार किया है?

उत्तरः

बाबा नागार्जुन की बहुचर्चित कविता है 'अकाल और उसके बाद'। इसमें उन्होंने अकाल के समय और उसके बाद का मार्मिक चित्रण किया है। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने अकाल के भीषण समय का वर्णन किया है।

भीषण अकाल के कारण कई दिनों से घर में दाना नहीं था। इसलिए खाना पकाने केलिए चूल्हा नहीं जलता और दाना पीसने के लिए चक्की का उपयोग भी नहीं करता। कानी कुतिया चूल्हे और चक्की के पास सो गई थी। वह भूख से परेशान थी। इसलिए खाने की प्रतीक्षा में वहीं सो गई थी। अकाल के कारण घर के सारे जीव-जंतु भूख से परेशान थे। छिपकलियाँ भी कीडों की तलाश में भीत पर इधर उधर चल रही थीं। अकाल में चूहों की भी हालत बहुत बूरी थी। चूहे भी भूख से हार गए हैं।

अकाल का प्रभाव सिर्फ मानव पर नहीं सारे जीव-जंतुओं पर पड़ता था। निर्जीव वस्तुओं का मानवीकरण करके (चुल्हा का रोना, चक्की का उदास रहना) और कानी कुतिया, छिपकलियां, चूहे जैसे जीव-जंतुओं की दयनीय दशा का वर्णन करते हुए अकाल की भीषणता हमारे सामने लाने का प्रयास कवि ने किया है।

II सूचना: अकाल और उसके बाद कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन के ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद"

1. 'कई दिनों के बाद घर में अनाज आया'। यह आशयवाली पंक्ति कवितांश से लिखें। (1)

उत्तर: दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद।

2. "दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन के ऊपर कई दिनों के बाद।" इन पंक्तियों से कवि क्या कहना चाहता है? (2)

उत्तर: अकाल के बाद के दिनों का चित्रण इन पंक्तियों द्वारा कवि ने किया है। अकाल के कई दिनों के बाद घर में दाने आए। फिर खाना पकाने लगा, और आँगन के ऊपर धुआँ उठा।

3. कवितांश का आशय लिखें। (4)

अथवा

कवि ने अकाल का चित्रण किसप्रकार किया है?

उत्तर:

बाबा नगार्जुन की बहुचर्चित कविता है अकाल और उसके बाद। इसमें उन्होंने अकाल के समय और उसके बाद का मार्मिक चित्रण किया है। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने अकाल के बाद के समय का वर्णन किया है।

कई दिनों के बाद घर के भीतर दाने आये। चूल्हा जलाया, खाना पकाने लगा। तब आँगन के ऊपर कई दिनों के बाद धुआँ उठा। खाना खाकर घर के सारे जीवों के पेट भर गये और सबकी आँखें उत्साह से चमक उठीं। कौए को भी खाना मिला और खाना खाकर कौए ने कई दिनों के बाद अपनी पंखें खुजलाई।

अकाल के अभाव के कई दिनों के बाद सबका पेट भर गया। चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद इस पंक्ति द्वारा कवि ने अभाव की तीक्ष्णता व्यंजित की है। कई दिनों से घर के सारे जीव-जंतु भूखे पडे थे, कई दिनों के बाद पेट भरने से सबको राहत मिल गयी।

पाठ-2
ठाकूर का कुआँ

प्रश्न (Questions)

I. **सूचनाः निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"गंगी प्रतिदिन शाम पानी भर करती थी। कुआँ दूर था, बार-बार जाना मुश्किल था। कल वह पानी लाई, तो उसमें बू बिलकुल न थी, आज पानी में बदबू कैसी। लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच बदबू थी। ज़रूर कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा, मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से?"

1. पानी में सख्त बद्बू आई। पानी में बद्बू कैसी आई होगी? (1)

उत्तर :

कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा।

2. मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से? गंगी क्यों इसप्रकार कहती है? (2)

उत्तर :

निम्न वर्ग के लोगों को पानी के लिए गाँव में सिर्फ एक कुआँ है। ठाकुर जैसे उच्च वर्ग के लोग उन्हें अपने घर के कुएँ से पानी नहीं लेने देते। इसलिए गंगी इसप्रकार कहती है।

3. इस संदर्भ में जोखु और गंगी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें (4)

उत्तर :

जोखु	:	गला सूखा जा रहा है। पीने के लिए थोड़ा पानी दे।
गंगी	:	यहाँ है पानी, पी ले।
जोखु	:	क्या-तू सड़ा पानी पिला रही है? कैसी बदबू है इसमें?
गंगी	:	पानी में बदबू? कल तो नहीं थी। कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा।
जोखु	:	मगर दूसरा पानी कहाँ से मिलेगा?
गंगी	:	ठाकुर या साहू के कुएँ से मैं पानी लाऊँगी।
जोखु	:	क्या तुम पागल हो? हम जैसे लोग उनके कुएँ से पानी लें तो वे हाथ- पाँव तुड़वा देंगे।

II **सूचनाः निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"गंगी ने पानी न दिया। खराब पानी से बीमारी बढ जाएगी इतना जानती थी, परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती है। यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है। कुएँ से मैं दूसरा पानी लाएगी।"

1. पानी की खराबी कैसे दूर हो जाएगी? (1)

उत्तर :

उबाल लेने से पानी की खराबी दूर जाएगी।

2. गंगी ने जोखु को पानी न दिया। क्यों? (2)

उत्तर :

कई दिनों से जोखु बीमार पडा है। खराब पानी से बीमारी बढ जाएगी। इसलिए गंगी ने जोखु को पानी न दिया।

3. इस संदर्भ में जोखु और गंगी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें (4)

उत्तर :

जोखु	:	प्यास के मारे रहा नहीं जाता। थोड़ा पानी दो, नाक बंद करके पी लूँ।
गंगी	:	यह पानी मैं नहीं दूँगी। खराब पानी से बीमारी बढ जाएगी।
जोखु	:	मेरा गला सूखा जा रहा है।
गंगी	:	यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है।
जोखु	:	कुछ भी हो, पानी न पिऊँ तो मैं मर जाऊँगा।
गंगी	:	कुएँ से मैं दुसरा पानी लाएगी। परेशान मत कीजिए।

III **सूचनाः निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"जोखु ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा-" "पानी कहाँ से लाएगी?" "ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी भरने देंगे?" "हाथ-पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से। ब्राह्मण- देवता आशीर्वाद देंगे, ठाकुर लाठी मारेंगे, साहूजी एक के पाँच लेंगे। गरीबों का दर्द कौन समझता है। हम तो मर भी जाते, तो कोई दुआर पर झाँकने नहीं आता, कंधा देना तो बड़ी बात है। ऐसे लोग कुएँ से पानी भरने देंगे?"

1. 'कंधा देना' इसका मतलब क्या है? (1)

(बोझ लगाना, क्रुद्ध होना, साथ देना, मार देना)

उत्तर :

साथ देना

2. ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे? जोखु ने ऐसा क्यों कहा होगा? (2)

उत्तर :

जोखु और गंगी निम्न वर्ग के लोग हैं। ठाकूर और साहू जैसे उच्च वर्ग के कुएँ से वे पानी नहीं भर सकते ऐसा करें तो हाथ-पाँव तुड़वा देंगे।

3. प्रस्तुत संदर्भ के आधार पर पटकथा तैयार करें। (4)

उत्तर :

दृश्य -2

(जोखु का घर, समय- शामको, जोखु- उम्र 40 बरस, वेषभूषा- कुर्ता, धोती।
गंगी- उम्र 35 बरस, वेषभूषा - साड़ी।
जोखु को प्यास आया, मगर पानी में बद्बू आने के कारण पानी पी न सका। दूसरे पानी कहाँ से लाएँ इस पर चर्चा हो रही हैं।)

संवाद

जोखु : पानी कहाँ से लाएगी?
गंगी : ठाकूर और साहू के दो कुएँ तो हैं। वहाँ से लाएगी।
जोखु : क्या तुम पागल हो?
गंगी : क्या वे एक लोटा पानी न भरने देंगे?
जोखु : हाथ-पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से।
गंगी : तीसरा कुआँ है कहाँ हमारे गाँव में?
जोखु : ब्राह्मण-देवता आशीर्वाद देंगे, ठाकूर लाठी मारेंगे, साहूजी एक के पाँच लेंगे।
गंगी : फिर हम गरीब क्या करें?
जोखु : गरीबों का दर्द कौन समझता है। हम तो मर भी जाते हैं, तो कोई द्वार पर झाँकने नहीं आता, साथ देना तो बड़ी बात है। ऐसे लोग कुएँ से पानी भरने देंगे?
गंगी : मगर यह खराब पानी में कैसे दूँ?
(गंगी ठाकूर के कुएँ से पानी लाने के लिए तैयार हो जाती है।)

IV. **सूचना: निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"मैदानी बहादुरी का तो अब न ज़माना रहा है, न मौका। कानूनी बहादुरी की बातें हो रही थीं। कितनी होशियारी से ठाकुर ने थानेदार को एक खास मुकदमे में रिश्वत दी और साफ़ निकल गए। कितनी अकल्मंदी से एक मार्के के मुकदमे की नकल ले आए। नाज़िर और मोहतमिम, सभी कहते थे, नकल नहीं मिल सकती। कोई पचास मांगता तो कोई सौ। यहाँ बेपैसे-कौड़ी नकल उड़ा दी। काम करने का ढंग चाहिए।"

1. ठाकुर ने एक खास मुकदमे से साफ़ निकल गए। कैसे? (1)
ठाकुर ने थानेदार को एक खास मुकदमे में रिश्वत दी और निकल गए।

2. "मैदानी बाहादुरी का तो अब न ज़माना रहा है, न मौका। कानूनी बहादूरी की बातें हो रही थीं।" इसका का मतलब है? (2)

पहले शारीरिक क्षमता के बल पर उच् वर्ग के लोग समाज का शोषण कर रहे थे। लेकिन आज-कल रिश्वत और सिफारिश के बल पर कानून को अपने अनुकूल बना देते हैं। कानूनी बहादुरी के ज़रिए उच्च वर्ग के लोग निम्न वर्ग के लोगों का शोषण कर रहे थे।

3. **सही मिलान करें** (4)

मैदानी बहादुरी का तो	एक खास मुकदमें में रिश्वत दी और साफ़ निकल गए।
कानूनि बहादुरी	कोई पचास माँगता, कोई सौ।
ठाकुर ने थानेदार को	अब न ज़माना रहा है, न मौका ।
नाज़िर और मोहतमिम	की बातें हो रही थीं

उत्तर :

मैदानी बहादुरी का तो	अब न ज़माना रहा है, न मौका ।
कानूनि बहादुरी	की बातें हो रही थीं
ठाकूर ने थानेदार को	एक खास मुकदमें में रिक्ष्वत दी और साफ़ निकल गए।
नाज़िर और मोहतमिम	कोई पचास माँगता, कोई सौ।

V. **सूचनाः निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"इसी समय गंगी कुएँ से पानी लेने पहुँची। कुप्पी कि धुंधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी। गंगी जगत की आड़ में बैठी मौके का इंतज़ार कहने लगी। इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है। किसी के लिए रोक नहीं, सिर्फ़ ये बदनसीब नहीं भर सकते।"

1. कुप्पी की धुंधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी।
   (**रोशनी** शब्द के बदने **प्रकाश** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें) (1)

उत्तरः

कुप्पी का धुंधला प्रकाश कुएँ पर आ रहा था।

2. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें।
   (गंगी, जगत की) (2)

मौके का इंतज़ार कहने लगी।

आड़ में बैठी मौके का इंतज़ार कहने लगी।

.....

.....

उत्तर:

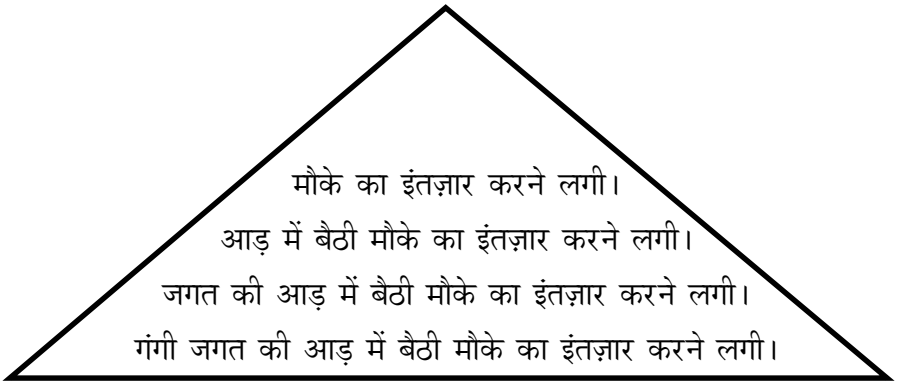

3. 'जातिप्रथा एक अभिशाप है' का संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें। (4)

अथवा

'जातिप्रथा एक अभिशाप है' विषय पर एक लघु लेख लिखें।

पोस्टर

जातिप्रथा एक सामाजिक अभिशाप है।

असमानता समाज से दूर करो।

पूरे भारतीय एक समान है।

शिक्षा पाओ, गुलामी से मुक्ति पाओ

लेख

जातिप्रथा एक अभिशाप है। जातिप्रथा के कारण समाज की एकता नष्ट हो जाती है और असमानता, एकाधिकार, विद्वेष आदि फैल जाते हैं। दुनिया में जाति के नाम पर अत्याचार कई सालों से हो रहे हैं। कानूनी दृष्टि से यह बहुत बडा अपराध है।

जाति के नाम पर हमारे यहाँ निम्न वर्ग के लोगों को कई प्रकार की यातनाएँ सहनी पड़ी। ठाकुर, ज़मीन्दार जैसे उच्च जाति के लोग निम्नजाति के लोगों को अपने समाने आने नहीं देते, साथ बैठने नहीं. देते, मंदिर में प्रवेश नहीं करने देते, अपने घर के कुएँ से पीने का पानी भी नहीं देते।

इक्कीसवीं सदी में जीनेवाले हम लोग सभी क्षेत्रों में बहुत आगे बढ़ गये है। मगर जातिप्रथा के चंगुल से बाहर आने का ज़रा-सी प्रयास हम नहीं करते। कानून द्वारा और शिक्षा के प्रचार द्वारा एक हद तक इसका सुझाव पाए जाते हैं। ज़रूर जातिप्रथा एक अभिशाप है।

भारत इस दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र राष्ट्र है। यहाँ किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। हमारेलिए एक ही संविधान और एक ही झंडा। हर प्रकार के भेदभाव हमेशा के लिए छोड़ने का वक्त आ गया है। हम सब एक हैं।

VI. **सूचनाः निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"गंगी ने क्षणिक सुख की साँस ली। किसी तरह मैदान तो साफ़ हुआ। अमृत चुरा लाने के लिए जो राजकुमार किसी ज़माने में गया था, वह भी शायद इतनी सावधानी के साथ और समझ-बुझकर न गया होगा। गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढ़ी, विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था।"

1. "अमृत चुरा लाने के लिए जो राजकुमार किसी ज़माने में गया था"। (1)

यहाँ अमृत चुरानेवाला राजकुमार की तुलना किससे की है?

उत्तरः

यहाँ अमृत चुरानेवाला राजकुमार की तुलना कुएँ की जगत पर चढ़नेवाली गंगी से की है।

2. "गंगी दबे पाँव की जगत पर चढ़ी, विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था।"। (2)

गंगी को ऐसा अनुभव क्यों हुआ होगा?

उत्तरः

निम्न जातिवाली गंगी ज़िंदगी में सबसे पहली बार ठाकुर के कुएँ पर चढ़ती थी। उसके मन में इतना डर था कि पकड जाएँ तो गजब हो जाएँ। इसलिए वह दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढ़ी। सज़ा मिलने के डर होने पर भी गंगी का विद्रोही मन में विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था।

3. गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें। (4)

उत्तरः

गंगी का चरित्र - चित्रण

हिंदी के कहानी सम्राट प्रेमचंद की कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका है गंगी। वह रिवाज़ी पाबंदियों के विरुद्ध आवाज़ उठानेवाली अनोखी ग्रामीण महिला है। निम्नजातिवाली गंगी को कई सामाजिक कुरीतियों की शिकार बन पडी है।

उसके पति जोखु कई दिनों से बीमार पडा है। पानी में सख्त बदबू के कारण वह घर का पानी पी न सका। ठाकूर और साहू के घर में कुएँ थे। मगर वे अपने घर के कुएँ से पीने का पानी भी नहीं देते।

सारी पाबंदियों को तोड़कर गंगी रात को चुपके से ठाकुर के कुएँ से पानी लेने का साहस करती है। उसने सोचा कि हम क्यों नीच हैं? वे क्यों ऊँच हैं? चोरी ये करते हैं, जाल-फरेब ये करते हैं, झूठे मुकदमे करते हैं। फ़िकर किस बात में ये लोग ऊँच हैं?

पानी लेने ठाकुर के कुएँ की जगत पर चढते समय उसके मन में विजेता की अनुभूति हुई। मगर वह सफल नहीं हुई, ठाकुर के आने के कारण उसको पानी छोडकर भागना पडा।

जातिप्रथा के शिकार होने पर भी गंगी विद्रोही नारी थी। अनपढ़ थी वह। पति से बहुत प्यार करनेवाली गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी लेने का साहस करती थी। प्रेमचंदजी के ज़्यादतर नारी पात्रों में विद्रोह और साहस दिखाई पड़ते हैं।

VII. **सूचनाः निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"गंगी झुकी कि घड़े को पकड़कर जगत पर रखे कि एकाएक ठाकुर साहब का दरवाज़ा खुल गया। शेर का मुँह इससे अधिक भायानक न होगा। गंगी के हाथ से रस्सी छूट गई। रस्सी के साथ घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा और कई क्षण तक पानी में हिलकोरे की आवाज़ें सुनाई देती रहीं। ठाकूर 'कौन है, कौन है?' पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कुदकर भागी जा रही थी। घर पहुँचकर देखा कि जोखु लोटा मुँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।"

1. गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी। क्यों? (1)

उत्तरः

ठाकुर 'कौन है, कौन है?' पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे।
पकड़ जाने के डर से गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी।

2. 'शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा।'
यहाँ ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर के मुँह से की गई है। क्यों? (2)

उत्तरः

शेर के सामने पडनेवालों को बचने की उम्मीद ही नहीं।
ठाकुर के घर में गंगी जैसी निम्नजातिवालों को प्रवेश नहीं देते।
ठाकुर के चंगुल में पड़ें तो कठोर सज़ा मिलेगी। इसलिए यहाँ ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर के मुँह से की गई है।

3. घर पहुँचकर देखा कि जोखु लोटा मुँह से लगाए मैला-गंदा पानी पी रहा है।
इस प्रसंग पर जोखु और गंगी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तरः

गंगी : अरे! यह आप क्या कर रहे हैं?
जोखु : तुम आ गई, क्या पानी मिल गया?
गंगी : नहीं, जान बच गई, इतना ही।
जाखु : मैं ने क्या बताया तुमसे... मुझे मालूम है, वहाँ से पानी नहीं ले सकता।
गंगी : मैं पानी भरे घड़े को जगत पर रखे कि दरवाज़ा खुल गया।
जाखु : बाप रे! तब तुमने क्या किया?
गंगी : डर के मारे हाथ से रस्सी छूट गई, घड़ा पानी में गिरा।
जाखु : क्या ठाकुर ने तुमको देखा?
गंगी : नहीं.... मैं जगत से कूदकर भागी।
जाखु : हे भगवान... पीने का पानी भी लेने का हक हमको नहीं....

अभ्यास के लिए...

I. **सूचना: निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त"

1. दीवार के लिए समानार्थी शब्द कवितांश से पहचानकर लिखें। (1)

2. कानी कुतिया कहाँ सो गई थी? क्यों? (2)

3. कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त (3)
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त
ये पंक्तियाँ किस हालत की ओर इशारा करती है?

II. **सूचना: निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"गंगी प्रतिदिन शाम पानी भर लिया करती थी। कुआँ दूर था, बार-बार जाना मुश्किल था। कल वह पानी लाई, तो उसमें बू बिलकुल न थी, आज पानी में बदबू कैसी! लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच बदबू थी। ज़रूर कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा, मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से?"

1. पानी लाने के लिए बार-बार जाना मुश्किल था। क्यों ? (1)

2. आज पानी में बदबू कैसी। क्यों? (2)

3. प्रस्तुत संदर्भ में गंगी की **डायरी** कल्पना करके लिखें। (4)

III. **सूचना: निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों की उत्तर लिखें।**

"गंगी ने क्षणिक सुख की साँस ली। किसी तरह मैदान तो साफ़ हुआ। अमृत लाने के लिए जो राजकुमार किसी ज़माने में गया था, वह भी शायद इतनी सावधानी के साथ और समझ-बुझकर न गया हो। गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढ़ी, विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था।"

1. गंगी ने क्षणिक सुख की साँस ली। '**ली**' क्रिया का सीधा संबंध इस वाक्य के किस शब्द से है ? (1)

2. विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था। गंगी ने ऐसा क्यों सोचा? (2)

3. 'जातिप्रथा एक अभिशाप है।' विषय पर आपके स्कूल में संगोष्ठी होनेवाली है।
इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें। (4)

इकाई -4

पाठ-1

बसंत मेरे गाँव का

I सूचना: 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "पंचाचूली की पाँच बर्फ़ानी चोटियों और चौखंभा के चार शिखरों के ऐन बीच में जो पहाड़ नज़र आ रहा है वह नंदा पर्वत है। सूरज पंचाचूली से खिसककर जब नंदा पर्वत तक पहुँचता है तो पहाडों मे फ्योंली के पीले फूल खिलने लगते हैं। पहाड़ी ढलानों पर खुबसूरती से कटे सीढ़ीनुमा खेतों में गेहूँ की हरियाली के बीच सरसों की पीलाई पसर जाती है। बसंत बौराने लगता है।"

1. 'पीले फूल' में पीले शब्द किसको सूचित करता है? (1)
(संज्ञा, विशेषण, विशेष्य, सर्वनाम)

उत्तर: विशेषण

2. सही मिलान करें (4)

सूरज नंदा पर्वत तक पहुँचता है तो	बौराने लगता है
सरसों का फूल	फ्योंली के फूल खिलने लगते
पंचाचूली एवं चौखंभा के ऐन बीच में	पीले रंग का है।
बसंत	नंदा पर्वत है।

उत्तर:

सूरज नंदा पर्वत तक पहुँचता है	तो फ्योंली के फूल खिलने लगते
सरसों का फूल	पीले रंग का है।
पंचाचूली एवं चौखंभा के ऐन बीच में	नंदा पर्वत है।
बसंत	बौराने लगता है

3. कोष्ठक के शब्दों से वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)
(पहाड़ों में, खूबसूरत)

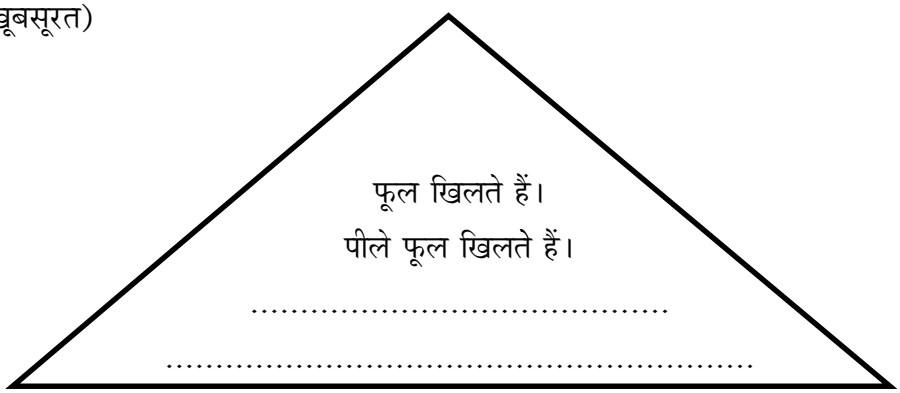

उत्तरः

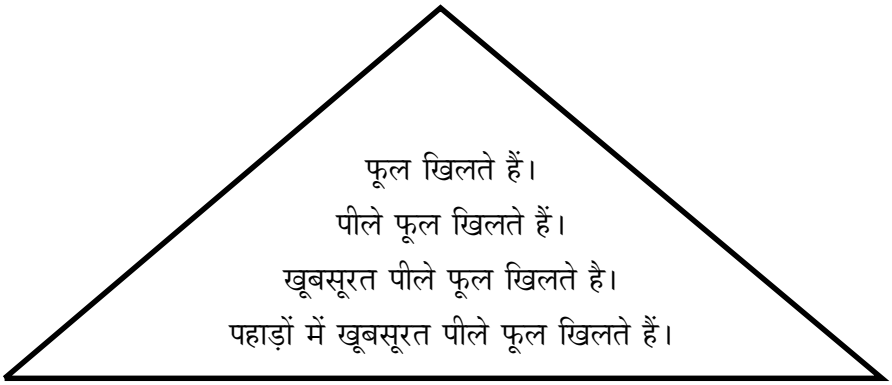

II सूचनाः 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "बसंत फूलदेई का त्योहार लेकर आता है। देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं। इन फूलों को रिंगल (बाँस की एक प्रजाति) से बनी खास तरह की टोकरियों में रखा जाता है। टोकरियों को रात भर पानी से भरी गागरों के ऊपर रखा जाता है, ताकी वे सुबह तक मुरझा न पाएँ। सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।"

1. फूलदेई का त्योहार कब मनाया जाता है? (1)
(वर्षा ऋतु में, शिशिर काल में, गर्मी में, बसंत काल में)

उत्तरः बसंत काल में

2. बच्चे फूल चुनते हैं। (**बच्चे** के बदले **बच्चा** का प्रयोग करके वाक्य पुनर्लेखन करें) (1)

उत्तरः बच्चा फूल चुनता है।

3. पंचाचूली की सांस्कृतिक कलासमिति के नेतृत्व में इस साल फूलदेई का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाने का आयोजन हुआ है। इसकी सूचना देते हुए एक पोस्टर तैयार करें। (4)

III सूचना: 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव-भर में घूमती हैं। पिछली शाम चूने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं, जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं। वे वच्चों को चावल, गुड़, दाल आदि देते हैं। दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है। फुलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है। अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है।"

1. फूलदेई का त्योहार कब समाप्त होता है? (1)

उत्तर:

फूलदेई की विदाई के साथ यह त्योहार समाप्त होता है।

2. 'जिनके' में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (1)

(जिन, कौन, जो, कोई)

उत्तर: जो

3. कोष्ठक के शब्दों से वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें (2)
(सुबह पौ फटते ही, गाँव भर में)

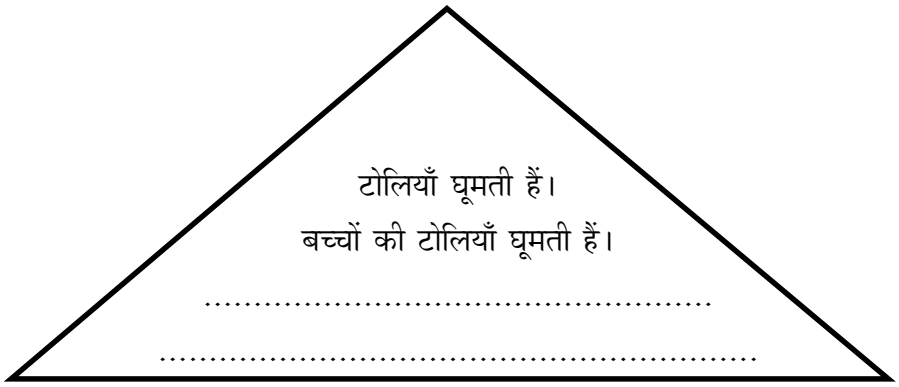

उत्तर:

4. फूलदेई की तरह आपके गाँव में भी कई त्योहारें मनाती है न? उनमें से किसी एक त्योहार का वर्णन करें। (3)

ओणम

भारत त्योहारों का देश है। भारत के हर राज्य का अपना अपना त्योहार है। ओणम हमारा (केरलीयों का) देशीय त्योहार है।

यह श्रावण के महीने में मनाया जाता है। अत्तम से तिरुवोणम तक दस दिन का त्योहार है। बच्चे बड़े सबेरे फूल की तलाश में निकलते और उन फूलों से अपने-अपने घरों के आँगन में पूक्कलम सजाते हैं। कहा जाता है कि राजा महाबली की याद में ओणम मनाया जाता है। महाबली के समय समाज में कोई ऊँच-नीच का भेदभाव नहीं था। सब एकता में रहते थे। विश्वास है कि हर साल ओणम के दिन राजा अपनी प्रजाओं को दर्शाने हतु आते हैं। उनका स्वागत करने के लिए केरलीय धूमधाम से यह त्योहार मनाते हैं। बिना भेदभाव के, सब घरों में दावत बनाते हैं, नए कपडे पहनते हैं, तरह-तरह के पकवान बनाते हैं, कई खेलों मे भाग लेते हैं।

कुल मिलाकर ओणम खुशी एवं एकता को जागृत करनेवाला त्योहार है।

IV सूचना: 'बसंत मेरे गाँव' का लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है तब जेठ शुरू हो जाता है। पहाड़ की सड़कें गाड़ियों से भर जाती हैं। अपने घर की छत से जब मैं बद्रीनाथ यात्रा-मार्ग की भीड़ देखता हूँ तो भूल जाता हूँ कि महज दो महीने पहले यह घाटी एकदम शांत थी।

1. अपने घर की छत से जब मैं बद्रीनाथ यात्रा-मार्ग की भीड़ देखता हूँ। **देखता हूँ** क्रिया का सीधा संबंध वाक्य के किस शब्द से है? (1)
   (घर, छत, मैं, अपने)

उत्तर:
मैं

2. आशय समझकर सही मिलान करें। (4)

पहाड़ की सडकें	यात्रा-मार्ग की भीड़ देखता हूँ।
महज दो महीने पहले	जेठ शुरू हो जाता है।
सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है	गाड़ियों से भर जाती हैं।
अपने घर की छत से	घाटी एकदम शांत थी।

उत्तर :

पहाड़ की सडकें	गाड़ियों से भर जाती हैं।
महज दो महीने पहले	घाटी एकदम शांत थी।
सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है	जेठ शुरू हो जाता है।
अपने घर की छत से	यात्रा-मार्ग की भीड़ देखता हूँ।

3. नमूने के अनुसार लिखें । (2)

जैसेः जेठ शुरू हो जाता है।	जेठ शुरू हो जाएगा।
(क) मैं यात्रा मार्ग की भीड़ देखता हूँ । (ग) सड़कें गाडियों से भर जाती हैं।	मैं यात्रा-मार्ग की भीड़..... सड़कें गाडीयों से भर.....

उत्तर:

(क) मैं यात्रा मार्ग की भीड़ देखता हूँ । (ग) सड़कें गाडियों से भर जाती हैं ।	मैं यात्रा-मार्ग की भीड़ देखूँगा। सड़कें गाडीयों से भर जाएँगी।

पाठ-2
दिशाहीन दिशा

I. सूचनाः 'दिशाहीन दिशा' यात्राविवरण का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> भोपाल स्टेशन पर मेरा मित्र अविनाश, जो वहाँ से निकलनेवाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था, मुझसे मिलने के लिए आया था। मगर बात करने की जगह उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया। इसतरह मुझे एक रात के लिए वहाँ रह जाना पड़ा।

1. सही विकल्प चुनकर लिखें (1)

[(क) मैं + का = मैंका (ख) मैं + को = मेरे (ग) मैं + को = मुझे (घ) मैं + के = मुझे)]

उत्तर : (ग) मैं + को = मुझे

2. कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें। (1)

लेखक का दोस्त अविनाश.....है।

[(क) अध्यापक (ख) गायक (ग) संपादक (घ) संगीतकार]

उत्तर : (ग) संपादक

3. कई सालों के बाद भोपाल स्टेशन पर आज अविनाश अपने दिली दोस्त मोहनराकेश से मिला। इस अवसर पर दोनों के बीच हुए वार्तालाप कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तर :

अविनाश	:	हाय राकेशजी, कितने साल हुए....? (बिस्तर बाहर फेंककर...)
राकेश	:	अरे! तू ने यह क्या कर दिया? (कुछ गुस्से में)
अविनाश	:	जल्दी उतरो गाड़ी से।
राकेश	:	मुंबई के लिए टिकट लिया था।
अविनाश	:	उसी बात छोडो, आज मेरे साथ।
राकेश	:	कई सालों से एक लंबी यात्रा की चिंता थी मन में...
अविनाश	:	फिर क्यों नहीं?
राकेश	:	फुरसत न मिली। अब नौकरी छोड़ दी और पास पैसे भी....
अविनाश	:	नौकरी छोड़ दी! क्यों?
राकेश	:	कोई खास बात नहीं। तेरे संपादन-कार्य ठीक से चलते न?
अविनाश	:	हाँ, तो चलो घर जाएँ।
राकेश	:	ठीक है।

II सूचना: 'दिशाहीन दिशा' यात्राविवरण का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> बूढ़े मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी। उसका गला काफ़ी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। काफ़ी देर चप्पुओं को छोड़े वह झूम-झूमकर गज़लें सुनाता रहा। एक के बाद दूसरी, फिर तीसरी। मैं नाव में लेटा उसकी तरफ़ देख रहा था। उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनियान तक नहीं थी। उसकी दाढ़ी के ही नहीं, छाती के भी बाल सफेद हो चुके थे। जब वह चप्पू चलाने लगता तो उसकी मांसपेशियाँ इस तरह हिलती जैसे उनमें फौलाद भरा हो।

1. 'बूढ़े मल्लाह' में विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)

उत्तर: बूढ़े

2. सही विकल्प कौन-सा है? (1)

[(क) यह + की = उसकी (ख) वह + की = उसकी (ग) उस + की = उसकी (घ) वे + की = उसकी)]

उत्तर : (ख) वह + की = उसकी

3. 'पक्का लोहा' इसके लिए प्रयुक्त शब्द कौन-सा है? (1)

(तहमद, शायराना, चप्पू, फौलाद)

उत्तर : फौलाद

4. बूढ़े मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी। उसका गला काफ़ी अच्छा था। और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। काफ़ी देर चप्पुओं को छोड़े वह झूम-झूमकर गज़लें सुनाता रहा- दिशाहीन दिशा यात्राविवरण का बूढ़ा मल्लाह अब्दुलजब्बार का व्यक्तित्व बड़ा प्रभावशाली है। निम्न संकेत पढ़ें और अब्दुलजब्बार के चरित्र पर टिप्पणी लिखें। (4)

गरीब
परिश्रमी
खुशमिज़ाज़
सादा जीवन बितानेवाला
विनयशील
गज़ल गायक

> हिन्दी के प्रसिद्ध नाटककार श्री मोहन राकेश का यात्राविवरण दिशाहीन दिशा के एक प्रभावशाली कथापात्र है बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार।
>
> भोपाल ताल का वह बूढ़ा मल्लाह इतना गरीब है कि वह रात-दिन मेहनत करता रहता है। सर्दी के मौसम में भी सिर्फ एक तहमद लगाए था। हमेशा खुशमिज़ाज़ दिखनेवाला वह बूढा आदमी सादा जीवन बितानेवाला एवं विनयशील था। जब अविनाश द्वारा और एक गज़ल गाने का आग्रह प्रकट किया तो बिना हिचक के कुछ गज़लें छेड़ देता। उसका गला काफी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। उनके दाढ़ी के ही नहीं, छाती के बाल भी सफ़ेद हो चुके थे। जब वह चप्पु चलाने लगता तो उसकी माँसपेशियाँ इस तरह हिलती जैसे उसमें फौलाद भरा हो।
>
> परिश्रमी, विनयशील, खुशमिज़ाज़, गरीब गज़ल गायक अब्दुलजब्बार का व्यक्तित्व सब के लिए अनुकरणीय रहे। राकाशजी उससे बहुत प्रभावित हुए।

III सूचना: दिशाहीन दिशा यात्राविवरण का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> तीसरी गज़ल सुनाकर वह खामोश हो गया। उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया। रात, सर्दी और नाव का हिलना, इन सब का अनुभव पहले नहीं हो रहा था, अब होने लगा। झील का विस्तार भी जैसे उतनी देर के लिए सिमट गया था, अब खुल गया।

1. 'खामोश होना' मतलब क्या है? (1)
(कोलाहल मचाना, निशब्द होना, खुश होना, दुखी होना)

उत्तर: निशब्द होना

2. उसके में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (1)
(यह, ये, वह, वे)

उत्तर: वह

3. बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार एवं अविनाश के साथ भोपाल ताल की सैर राकेशजी के लिए अविस्मरणीय रहा। उस दिन के अनुभवों को जोड़कर वह डायरी लिखने लगा। वह डायरी कल्पना करके लिखें। (4)

> **25 दिसंबर 1952**
> **बुधवार**
>
> मेरे मन की एक तीव्र इच्छा सफल हुई..... इसी खुशी में हूँ। कई सालों से एक विशाल तालाब की सैर करने की इच्छा थी। कल अविनाश के साथ रात को ग्यारह बजे के बाद भोपाल ताल पहुँचा.... तो मन आया कि नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए। हमारे नाव का बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार कितना खुशमिज़ाज़ दिखा। इतना गरीब होने पर भी कठिन परिश्रमी एवं सादा जीवन बिताने वाला। बूढे मल्लाह ने हमारे लिए कई गज़लें छेड़ दी। हम दोनों उसके गायन में विलीन हो गाए कि लौट आने की कोई चिंता भी न थी। फ़ुरसत मिली तो और एक बार तालाब की सैर करने की आशा है।

IV सूचना: 'दिशाहीन दिशा' यात्राविवरण का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "अब लौट चलें साहब", कुछ देर बाद उसने कहा।, "सर्दी बढ़ रही है और मैं अपनी चादर साथ नहीं. लाया"। अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उसकी तरफ़ बढ़ा दिया। कहा, "लो तुम यह पहन लो। अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे। तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ।"

1. सही विकल्प चुनकर लिखें (1)
[(क) तुम + के = तुम्हें (ख) तुम + को = तुम्हें (ग) तू + के = तुम्हें (घ) तू + को = तुम्हें)]

उत्तर: (ख) तुम + को = तुम्हें

2. अभी **'हम'** लौटकर नहीं चलेंगे। हम के बदले **'मैं'** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। (1)

उत्तरः अभी मैं लौटकर नहीं चलूँगा।

3. भोपाल ताल में अब्दुल जब्बार एवं अविनाश के साथ की सैर मोहन राकेश के लिए बहुत मज़ेदार थी। वे अपने अविस्मरणीय अनुभव दफ्तर के एक मित्र से बाँटना चाहते हैं। भोपाल ताल की सैर के अनुभवों का ज़िक्र करते हुए मित्र के नाम मोहन राकेश का पत्र लिखें। (4)

स्थान
तारीख

प्रिय गोपालजी

आप कैसे हैं? दफ्तर में सब कुशल है न? आप से कुछ विशेष बातें बाँटना चाहता हूँ। मुंबई के रास्ते में था। भोपाल स्टेशन पर मेरा मित्र अविनाश मुझसे मिलने आया। मुझे भी वहाँ उतरना पड़ा। रात को ग्यारह बजे के बाद हम लोग घूमने निकले। भोपाल ताल के पास आया तो, मन लगा कि नाव लेकर कुछ दूर झील की सैर करें। नाव का बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार ने कुछ गज़लें तरन्नुम के साथ पेश की। उसके गला अच्छा था। सुनाने के अंदाज़ थी शायराना था। अंत में गालिब की कुछ गज़लें प्रस्तुत की। उसके गज़ल में हम विलीन हो गए। सचमुच भोपाल ताल की सैर बहुत मज़ेदार था, दिल को छूनेवाला...। फ़ुरसत मिलें तो तुझे भी लेकर, वहाँ की सैर करने की इच्छा है। दफ्तर में सबको मेरा नमस्कार कहना। तुरंत ही जवाब की प्रतीक्षा में.....

आपका मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में
नाम
पता

अभ्यास केलिए...

I सूचना: 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों (1 से 3 तक) के उत्तर लिखें।

> ठंड के मौसम में बर्फ़ीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरें पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं। महीनों तक फैल चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है। वे गीत गाते हैं, नाचते हैं। पशुचारकों के साथ उनकी भेड़-बकरियाँ, घोड़े-खच्चर और कुत्ते भी होते हैं। रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन-देन भी होता रहता है। वे जानवरों के साथ कीड़ाजड़ी, करण और चुरू जैसी दुर्लभ हिमालयी जड़ी व औषधियाँ भी बेचते हैं।

1. 'उनकी' में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (1)
(वह, वे, ये, यह)

2. औषधियाँ बेचती हैं। औषधियाँ के बदले 'औषधि' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। (1)

3. ठंड के मौसम में बर्फ़ीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरें पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं। रास्ते में आनेवाले गाँवों से जानवरों एवं औषधियों का लेन-देन भी होता रहता। इसी समय गाँववाला एवं पशुचारक के बीच हुए संभावित वार्तालाप लिखें (4)

II सूचना: दिशाहीन दिशा यात्राविवरण का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों (4 से 6 तक) के उत्तर लिखें।

> "अब लौट चलें साहब", कुछ देर बाद उसने कहा, "सर्दी बढ़ रही है और मैं अपनी चादर साथ नहीं लाया।" अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उनकी तरफ़ बढ़ा दिया। कहा, "लो, तुम यह पहन लो। अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे। तुम्हें गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ।"

1. 'जल्दी' का समानार्थक शब्द इस गद्यांश से चुनकर लिखें। (1)

2. अविनाश ने क्यों अपना कोट उतारकर मल्लाह को दिया? (2)

3. प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें। (4)

III. सूचना: 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों (7 से 9 तक) के उत्तर लिखें।

> जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं, वे बच्चों को चावल, गुड़, दाल आदि देते हैं। दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है। फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है। अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है। इस आयोजन में बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं। उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है।

1. 'उपदेश देना' अर्थ में प्रयुक्त शब्द कौन-सा है ? (1)
(आयोजन, समाप्त होना, सलाह देना, इकट्ठा करना)

2. उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में बच्चों का सबसे बडा त्योहार कौन-सा है? इसे क्यों बच्चों का सबसे बडा त्योहार मानते ? (2)

3. फूलदेई त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस उत्सव का विवरण करते हुए अगले दिन समाचार पत्र में एक रपट आया। वह रपट कल्पना करके लिखें। (4)

इकाई -5

पाठ-1

बच्चे काम पर जा रहे हैं

I. सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और अनुबंद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

1. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' किसकी रचना है ? (1)
(श्री. नागार्जुन, श्री. धरर्मवीर-भारती, श्री. राजेश जोशी, श्री. नरेश सकसेना)

उत्तर : श्री. राजेश जोशी

2. समान आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। (1)
यह हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है। यह इतनी भयानक समस्या है कि विवरण की तरह नहीं लिखा जा सकता।

उत्तर : हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना

3. कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं। कब? (1)

उत्तर : सुबह-सुबह

4. कवि और कविता का परिचय देते हुए प्रस्तुत पंक्तियों का आशय लिखें। (4)

उत्तर :

श्री. राजेश जोशी हेन्दी के आधुनिक कवियों में प्रमुख है। 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' उनकी प्रसिद्ध कविता है। मनुष्यता को बचाए रखने का एक निरंतर संघर्ष आपकी कविताओं की विशेषता है।

कवि कहते हैं कि बडे सबेरे कोहरे से ढंकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं। हमारे समय की यह एक भयानक स्थिति है क्यों की यह उनकी काम करने की उम्र ही नहीं है। भूखे बच्चे अपनी भूख मिटाने के लिए काम पर जा रहे हैं। यह इतनी भयानक समस्या है कि यह विवरण की तरह नहीं, सवाल की तरह लिखना चाहिए।

मतलब यह है कि बालश्रम आज की बहुत बडी समस्या है। इसके बदले आवाज़ उठानी है।

II. सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?
क्या अंतरिक्ष में गिर गई है सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड के नीचे दब गएँ हैं सारे
खिलौने
क्या किसी भूकंप में दह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

1. मकान के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द चुनकर लिखें। (1)

उत्तर : इमारत

2. क्या किसी भूकंप में दह गई हैं, सारे मदरसों की इमारतें-इन पंक्तियों द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं। (1)

उत्तर :

बचपन का काल शिक्षा पाने का है। गरीब बच्चे पढाई और खेलखूद छोडकर अपने भूख मिटाने काम पर जा रहे हैं। यह बालमज़दूरी हटाना अनिवार्य है। कवि इसके बदले आवाज़ उठाना चाहते हैं।

3. कवि और कविता का परिचय देते हुए कवितांश का आशय लिखें। (4)

उत्तर :

श्री. राजेश जोशी हेन्दी के आधुनिक कवियों में प्रमुख हैं। 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' उनकी प्रसिद्ध रचना है। आपकी कविताएँ गहरी सामाजिक सच्चाई की कसौटी है।

कवि पूछते हैं कि पढने-लिखने और खेलने-खूदने की उम्र में बच्चे क्यों काम पर जाते हैं? शायद इसलिए कि दुनिया की सारी गेंदें जिसे बच्चे खेलते हैं, अंतरिक्ष में गिर गई होंगी। या सारी रंग-बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया भी होगा। या सारे खिलौने काले पहाड के नीचे दब गए होंगे। सारे मदरसों की इमारतें किसी भूकंप में ढह गयी होंगी। कवि यहाँ कहना चाहते है कि बच्चों को स्कूल जाने, पढने-लिखने और खेलने-खूदने का समय नहीं है। उन्हें अपने भूख मिटाने काम पर जाना पडते हैं।

III. सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गये हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल
पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए
बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

1. सारे मैंदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन- यहाँ विशेषण शब्द कैन-सा है? (1)
(आँगन, बगीचा, मैंदान, सारे)

उत्तर : सारे

2. छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं। (1)
('बच्चे' के स्थान पर 'बच्चा' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें)

उत्तर :

छोटा बच्चा काम पर जा रहा है।

3. एकाएक सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन को क्या हो गये? (1)

उत्तर :

खत्म हो गये।

4. कवि और कविता का परिचय देते हुए प्रस्तुत पंक्तियों का आशय लिखें। (4)

उत्तर :

श्री. राजेश जोशी हेन्दी के आधुनिक कवियों में प्रमुख हैं। मनुष्यता को बचाए रखने का एक निरंतर संघर्ष आपकी कविताओं की विशेषता है। 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इस प्रकार की उनकी एक कविता है।

बडे सबेरे काम पर चलनेवाले बच्चों को देख कर कवि सोचते हैं। क्या, सारे मैदान, बगीचे और घरों के आँगन एकाएक नष्ट हो गये हैं। इसलिए बच्चे काम पर जा रहे हैं। फिर तो इस दुनिया में क्या बचा है? ऐसा होता तो यह कितना भयानक स्थिति है? कवि के अनुसार इस बात को एक सामान्य रीति के अनुकूल मानना कि गरीबों के समाज में बच्चों से भी काम करवाने की रीति है। अंत में कवि कहते हैं कि बालश्रम के प्रति हमारी चिंता जो भी हो, यह सच्चाई है कि दुनिया भर के छोटे-छेटे बच्चे काम पर जाते हैं। मतलब यह है कि बालश्रम आज की बहुत बडी समस्या है।

पाठ-2

गुठली तो पराई है

I सूचना: 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> गुठली बोली "अपना घर यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई।" बूआ हँसके बोली, "अरी बेवकुफ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुरालय ही तेरा असली घर होगा।"

1. संपत्ति का समानार्थी शब्द खंड से चुनकर लिखें। (1)

उत्तर: अमानत

2. अरी, बेवकूफ यह घर तो पराया है। बुआ गुठली से ऐसा क्यों कहती है? (2)

उत्तर:

भारतीय समाज पुरुष को घर का मुखिया तथा वंश को चलानेवाला माना जाता है। लड़कियों को अपने घर में कोई स्थान नहीं है। लड़कियाँ शादी के बाद पति के घर चली जाएगी और आगे वही उसका घर होगा। इसलिए बूआ ऐसी कहती है।

3. इस प्रसंग पर गुठली और बुआ के बीच का संभावित वार्तालाप कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तर:

वार्तालाप

बुआ	:	गुठली.....
गुठली	:	बुआ, क्या हुआ?
बुआ	:	ऐसे पट-पट मत बोलो, धम-धम मत चलो।
गुठली	:	क्यों?
बुआ	:	लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगी, क्या ऐसे ही करेगी अपने घर जाकर?
गुठली	:	अपना घर? यही तो मेरा घर।
बुआ	:	अरी, बेवकूफ यह तो पराया है। तू भी किसी और की अमानत है।
गुठली	:	वह कैसे?
बुआ	:	ससुरालय ही तेरा असली घर होगा। कुछ समझी?
गुठली	:	मैं नहीं मानती।

II सूचना: 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> "ऐसा मत करो," "ऐसे पट-पट मत बोलो," "ऐसे धम-धम मत चलो....।" एक दिन गलती से पूछ ही लिया, "क्यों।" तो बस शुरु हो गयी, "अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर?"

1. लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। यहाँ 'रखेंगे' क्रिया का रूपायन किस शब्द के आधार पर है? (1)
(माँ, नाम, लोग, बुआ)

उत्तर: लोग

2. 'तेरी' में निहित सर्वनाम और प्रत्यय चुनकर लिखें। (1)
तू + को तू + की
तू + का तू + के

उत्तर:

3. कहानी के इस अंश के आधार पर पटकथा तैयार करें। (4)

दृश्य 1

(गुठली का घर। सबेरे का समय। गुठली रसोई में आती है। बुआ पास ही खडी है।)

बुआ (सदुपदेश के स्वर में)	:	ऐसे धम-धम मतचलो, गुठली।
गुठली (गलती से)	:	क्यों?
बुआ	:	अरे छोरी लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। ऐसी ही करेगी अपने घर जाकर ?
गुठली (शंक के भाव से)	:	अपना घर? यही तो मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई।
बुआ	:	अरी बेवकूफ यह तो पराया है। ससुरालय ही तेरा असली घर होगा। कुछ समझी?
गुठली (ठुनक से)	:	मैं नहीं मानती।

(गुठली गुस्से से बाहर चली जाती है। बुआ को गुठली का व्यवहार अच्छी नहीं लगती।)

दृश्य समाप्त

III सूचनाः 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> इतने में माँ उसे ढूँढती वहीं आ पहुँची। गुठली को उदास देख गले लगाकर बोलीं, "बेटा, बुआ की बात को बुरा मत मान। और जो कल होना है उसे लेकर आज की क्यूँ परेशान होना। ये दिन फिर लौटके नहीं आनेवाले हैं इन्हें जी भर के जी ले।" माँ की बातों से गुठली और भी हताश हो गई। लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गयी हो।

1. 'इन्हें' में निहित परसर्ग चुनकर लिखें। (1)
   (में, को, के)

उत्तरः को

2. किसकी बातों से गुठली और भी हताश हो गयी? (1)
   (बुआ की, ताऊजी की, माँ की)

उत्तरः माँ की

3. किसको लगा जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गयी हो? (1)

उत्तर : गुठली को

4. उदास बैठी गुठली अपने विचारों को डयरी में लिखती है। गुठली की वह डयरी कल्पना करके लिखें। (4)

उत्तरः

डयरी

सोमवार 15 सितंबर 1960

आज मुझे बडा दुख हुआ। मैं पराया हूँ। पराये घर की अमानत हूँ। जिस घर में मैं पैदा हुई हूँ वह मेरा अपना घर नहीं है। ये लोग क्यों ऐसे हैं। घर के सभी लोग मुझे पराए घर की अमानत मानते हैं। बुआ, माँ सभी यही कहती हैं। मुझे अपने घर में रहने का अधिकार नहीं है। लड़के- लड़कियों में क्यों भेद-भाव रखते हैं। आज की लड़कियाँ अपने ऊपर किये जानेवाले को सहन करने के लिए तैयार नहीं हैं। मैं चुप रहनेवालों में नहीं हूँ। अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए मुझे खुद आगे आकर प्रयत्न करना चाहिए।

IV सूचनाः 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> जैसे-तैसे पूजा पाठ के बाद कार्ड हाथ में आया तो गुठली का मुह उतर गया। वह ताऊजी के पास जाकर बोली "देखिए भाइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया?" ताऊजी बोले, 'भूला नहीं है रे..... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।" गुठली, पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे-से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा.....

1. 'मुँह उतर गया' - का मतलब क्या है? (1)
(खुश हो गयी, उदास हो गयी, नाराज़ हो गयी)

उत्तरः उदास हो गयी

2. अपने घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते। ताऊजी के इस कथन पर आप की राय क्या है? (2)

उत्तरः

लड़कियों को किसी और की अमानत और अपना घर पराये माननेवाले समाज के इस मनोभाव पर मैं सहमत नहीं हूँ। लडके और लड़की को समान अधिकार देना है। लिंग पर असमानता निरंतर भोगनेवाली एक लड़की की प्रतिक्रिया की कहानी है- 'गुठली तो पराई है'।

3. परिवारवाले के व्यवहार से गुठली दुखी हुई थी। अपनी मन की बातों को पत्र के ज़रिए सहेली से बताना चाहती है। वह पत्र कलपना करके लिखें। (4)

उत्तर :

स्थान
तारीख

प्रिय बिन्दु

तुम कैसी हो? सकुशल है न? तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है? अब मुझे पढने की रुचि नहीं आती है। घरवालों के व्यवहार से मैं बहुत उदास हूँ। आज दीदी की शादी की कार्ड पूजा-पाठ के बाद हाथ में मिली तो उसमें मेरा नाम छपा नहीं। उसमें भइया के छोटे बेटे का भी नाम था, जो अभी बोला भी नहीं सकता। मैं ने ताऊजी से पूछा तो बताया कि भूला नहीं है, रे घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते। मैं रोने लगी तो बुआ ने डाँटा। तभी माँ ने अपने हाथ से मेरा नाम कार्ड पर लिख दिया। यह कौन-सी नीति है? लड़की होना कोई अपराध है?

अब बताओ, तुम्हारे घर में सब ठीक से है न, माँ-बाप को मेरा नमस्कार कहना। जवाब की प्रतीक्षा में.

तुम्हारी
सहेली गुठली
(हस्ताक्षर)

सेवा में,
नाम
पता

या

कहानी के इस अंश के आधार पर पटकथा तैयार करें।

दृश्य 1

(गुठली का घर। उसकी दीदी की शादी का अगला दिन। घर मेहमानों से भरा है। सब खुशी में है। इसके बीच कार्ड छपके आये। पढने पर गुठली का मुँह उदास होती है। वह ताऊजी के पास जाती है।)

संवाद

गुठली : (ताऊजी के पास आकर) देखिए भइया, मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया?

ताऊजी : भूला नहीं है रे..... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।

गुठली : पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे-से बेटे का नाम है, जो अभी बोल भी नहीं सकता।

ताऊजी : तो क्या हुआ?

गुठली : तो मेरा नाम....

ताऊजी : तेरा नाम तेरे अपने कार्ड में छपेगा

गुठली : कब?

ताऊजी : यहाँ नहीं.... अब चल भाग यहाँ से

(गुठली रोने लगती है)

दृश्य समाप्त

UNIT TEST
Model Examination
HINDI
Third Language

Time : 45 Mnts | Total Score : 20

सामान्य निर्देश:

पहला पंन्द्रह मिनिट कूल ऑफ टाईम है।

इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें

I. सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी खिताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे
खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई है
सारे मदरसों की इमारतें।

1. कवितांश के आधार पर सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। (1)
   (क) बच्चों को काम पर जाना पसंद है।
   (ख) बच्चे पढाई से वंचित है।
   (ग) बच्चों को पढाई की सुविधाएँ है।
   (घ) बच्चों को पर्याप्त स्कूल है।

2. "क्या दीमकों ने खा लिया है
   सारी रंग-बिरंगी किताबों को" - इन पंक्तियों द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं? (2)

II. सूचना: 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गुठली ठुनक के बोली, "मैं नहीं मानती।" और बाहर चली गई। पीछे से बुआ की आवाज़ सुनाई दी, "चौदह की हो गई पर अकल नहीं आयी छोरी को।" माँ बोली, "बचपन है दीदी समझ जाएगी।" माँ को बुआ का साथ देता देख गुठली गुस्से के साथ उदास भी हो गयी और सीढियों पर बैठ गई। सोचती रही क्या यह घर उसका नहीं?

1. 'उसका' में निहित सर्वनाम और प्रत्यय अलग लिखें। (1)

2. माँ को बूआ का साथ देता देख गुठली के मन में क्या-क्या विचार आये होंगे? (2)

3. गुठली अपने मन की बातें सहेली को बताना चाहती है। वह पत्र कल्पना करके लिखें। (4)

III. सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं।

1. 'दुनिया की हज़ारों सड़कें' इस में विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)

2. बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं? (2)

IV. सूचना: 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पर अब तो हद हो गयी। और गुठली चुप रहने वालों में से नहीं है। वह अपनी दीदी के साथ-साथ बिताए मज़ेदार दिनों की याद करने लगी।

1. सही वाक्य चुनकर लिखें। (1)
   (क) गुठली असमानता पर चुप रहने वाली है।
   (ख) गुठली असमानता पर चुप रहने वाली नहीं है।
   (ग) गुठली असमानता पर सहयोग करने वाली है।
   (घ) गुठली असमानता पर ध्यान नहीं देने वाली है।

2. कोष्ठक के शब्दों से पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)
   (बिताएँ, दीदी के साथ)